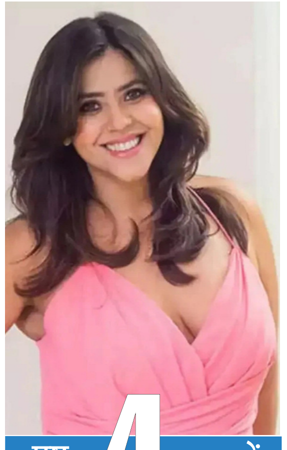

पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

एकता कपूर पर बनेगी बायोपिक

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 42 | अंक : 105 | रविवार, 7 जुलाई 2024 | 3 रुपए | पृष्ठ 4

/ulhasvikas संपादक - हीरो अशोक बोधा (BMM, L.L.B.) Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

शिवसेना ने महावितरण, मजीप्रा को दी चेतावनी

सुधर जाओ नहीं तो होगा जबर्दस्त आंदोलन

बिजली-पानी की बढ़ती समस्या को लेकर शहर शिवसेना आक्रामक

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ महावितरण और जलापूर्ति विभाग की बढ़ती समस्या को लेकर शहर शिवसेना आक्रामक हो गई है. शहर प्रमुख अरविंद वालेकर ने उपरोक्त दोनों विभाग के अधिकारियों को चेतावनी दी है कि अगर एक हफ्ते के भीतर इस गंभीर समस्या को दूर नहीं किया तो वह शिवसैनिकों, शहरवासियों, व्यापारियों, रिक्शा चालकों को लेकर शिवाजी चौक पर जबरदस्त आंदोलन छेड़ देंगे. वालेकर ने शिवसेना शहर शाखा में आयोजित पत्रकार परिषद में कहा कि दोनों विभाग ने शिवसेना से आठ दिनों की मोहलत मांगी है और उन्हें पत्र भी दिया है. अगर इस दरम्यान शहर में बार-बार बिजली गुल होने एवं शहरवासियों को नियमित पानी नहीं मिला तो आंदोलन होकर रहेगा. उन्होंने बताया कि आठ दिनों पूर्व ही शिवसैनिक धरना आंदोलन एवं रास्ता रोको आंदोलन करने वाले थे. लेकिन विभाग ने उनसे आठ दिनों की मोहलत देने को कहा है. इसलिए आंदोलन को आठ दिन के लिए आगे के लिए ढकेला गया है. उन्होंने दोनों विभाग के अधिकारियों को चेतावनी दी है कि वह उनके आंदोलन को कम में ना आंके और आठ दिन में शहरवासियों की लाइट और पानी की समस्या को दूर करें. नहीं तो शहर में जबरदस्त आंदोलन होगा. पत्रकार वार्तालाप में निखिल वालेकर, स्वप्निल जाबीर, अरुण सिंह, पद्माकर दिघे, मिलिंद गान, संभाजी कलमकर, डावरे सर आदि उपस्थित थे.

नहीं बढ़ पाई डैम की ऊंचाई

वालेकर ने पत्रकारों को बताया कि वह जब नगराध्यक्ष थे, तो उन्होंने चिखलोली डैम की निर्मिती की शहरवासियों को 7 एमएलडी पानी मिलने लगा. लेकिन 5 वर्ष से कुछ लोग चिखलोली डैम की ऊंचाई को नहीं बढ़ा सके. उन्होंने विधायक का नाम लिए बिना ही कहा कि चिखलोली का अंदरूनी कचरा निकाला गया, लेकिन चिखलोली डैम को वह ऊंचा नहीं कर सके. अगर ऐसा हो जाता तो शहरवासियों को कुछ तो राहत मिलती. लेकिन ऐसा हुआ नहीं. उन्होंने नसीहत करते हुए कहा कि डैम की ऊंचाई बढ़ानेवालों को स्वतः के विचारों को भी ऊंचा करना होगा.

कल्याण-शील मेट्रो का काम बंद हो

ध्यानाकर्षण

विधानसभा में मनसे विधायक ने सरकार से की मांग

ट्रैफिक जाम से नागरिक परेशान

कल्याण. एमएमआरडीए ने मानसून के दौरान कल्याण शील रोड पर मेट्रो का काम शुरू कर दिया है। इस सड़क को हाल ही में सीमेंट कंक्रीट किया गया है और सड़क के बीच में डिवाइडर पर पेड़ भी लगाए गए हैं। इन पेड़ों को काटकर और नई बनी सीमेंट कंक्रीट सड़क को खोदकर यहां मेट्रो के खंभे खड़े किए जा रहे हैं। जिससे इस सड़क पर भीषण जाम भी लग रहा है और लोग प्रभावित हो रहे हैं. कल्याण ग्रामीण के विधायक राजू पाटिल ने विधानसभा में इस ओर सरकार का ध्यान खींचा और कहा कि मेट्रो का काम तुरंत रोका जाए.

विधायक राजू पाटिल ने कल्याण ग्रामीण विधानसभा में चल रहे विकास कार्यों की योजना पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया है. सरकारी एजेंसियों की योजना की कमी के कारण चल रहे कार्यों में काफी भ्रम की स्थिति पैदा हो गयी है. मनसे विधायक राजू पाटिल ने विधानसभा में 27 गांवों की अदालती लड़ाई, ट्रेनों की खराब गुणवत्ता, सरकारी योजना और 14 गांवों में शून्य काम समेत मेट्रो के चल रहे काम का मुद्दा उठाया है।

इस बीच कल्याण शील रोड पर ट्रैफिक जाम के कारण वाहन चालकों को भारी ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ रहा है. इसके साथ ही कल्याण शील रोड पर चल रहे मेट्रो-12 प्रोजेक्ट ने ट्रैफिक जाम को और बढ़ा दिया है। इसलिए, विधायक पाटिल ने मांग की है कि चल रहे काम को तुरंत रोककर दूसरी भूमि अधिग्रहीत जगह पर काम किया जाए.

सत्र में भूमिपुत्रों के मुआवजे का सवाल

कल्याण शील रोड का काम जमीन अधिग्रहण के अभाव में रुका हुआ है. सड़क पीड़ितों को अभी तक एमएसआरडीसी से मुआवजा नहीं मिला है. सड़क का काम रुका हुआ है. इसके चलते आए दिन ट्रैफिक जाम की समस्या उत्पन्न हो रही है। इन सड़कों से प्रभावित भूमिपुत्रों को 300 करोड़ 91 लाख 91 हजार 715 रुपये का भुगतान बाकी है. विधायक पाटिल ने मांग की है कि सड़क को स्थानीय किसानों को देकर तुरंत पूरा किया जाना चाहिए. इस समय विधायक पाटिल ने विधानसभा में 27 ग्राम युवा मोर्चा के चल रहे आंदोलन की जानकारी भी सरकार को दी है.

27 गांवों की स्वतंत्र नपा बनाने की मांग

केडीएमसी समेत ठाणे मनपा क्षेत्र में सरकारी एजेंसियां काम शुरू कर रही हैं। अमृत योजना का काम मुख्य रूप से केडीएमसी क्षेत्र के 27 गांवों के लिए चल रहा है। नगर पालिकाओं और एमएमआरडीए के बीच समन्वय की कमी के कारण कई स्थानों पर जलमार्ग या सीवरेज के लिए सड़कों का काम फिर से उखड़ गया है। तो 27 गांवों में से 14 गांवों के सवाल पर भी सरकार की ओर से कोई ठोस रुख नहीं अपनाया गया है. महाविकास आघाड़ी सरकार के कार्यकाल में 27 गांवों का बंटवारा सरकार ने किया था. हालाँकि, इसमें मुख्य रूप से राजस्व देने वाले गाँव को ही महानगर पालिका क्षेत्र में रखा गया है और बाकी गाँवों को अलग नगर पालिका में शामिल किया गया है। इसलिए ऐसा करने के बजाय विधायक पाटिल ने विधानसभा में 27 गांवों की स्वतंत्र स्थानीय स्वशासन संस्था बनाने की मांग की है.

उद्घाटन के 2 साल बाद भी डॉल्फिन रोड का काम अधूरा

दुर्घटना की आशंका!

उल्हासनगर. दो साल पहले मुख्यमंत्री ने जिस डॉल्फिन रोड का शिलान्यास किया था, उसका काम आज भी अधूरा है. स्थानीय नागरिकों ने सड़क की खराब हालत के कारण बड़े हादसे की आशंका जताई है.

उल्हासगरा में सी ब्लॉक डॉल्फिन रोड के शांतिनगर प्रवेश द्वार का निर्माण एमएमआरडीए के फंड से किया जा रहा है। एमएमआरडीए फंड के 150 करोड़ रुपये से डॉल्फिन रोड समेत 7 मुख्य सड़कों का निर्माण किया जा रहा है। 2 साल पहले मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे विभिन्न विकास कार्यों के भूमि पूजन और उद्घाटन समारोह के लिए डॉल्फिन रोड से सटे सेंचुरी मैदान में आए थे. उस समय डॉल्फिन रोड का भूमिपूजन उनके द्वारा किया गया था। लेकिन 2 साल बाद भी सड़क पूरी नहीं हुई. कहा जा रहा है कि सड़क का निर्माण कार्य इसी बरसात में पूरा कर लिया जायेगा, लेकिन सड़क के आंशिक निर्माण के कारण सड़क की जर्जर स्थिति के कारण बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी हुई है. स्थानीय निवासियों के अनुसार सड़क से गुजरने वाले मोटरसाइकिल चालक आये दिन घायल हो रहे हैं.

मानसून के बाद काम होगा पूरा

शहर में एमएमआरडीए के फंड से बनाई जा रही सड़क का काम प्रगति पर है और जल्द ही सड़क का काम पूरा हो जाएगा। मानसून सीजन के दौरान अस्थायी सड़क मरम्मत का काम चल रहा है।

-संदीप जाधव, उप अभियंता-मनपा

कोचिंग क्लासेस की बिल्डिंग साई आर्केड का प्लास्टर वाला हिस्सा ढहा

संयोग से कोई हताहत नहीं

उल्हासनगर. उल्हासनगर के नेताजी चौक में साईं आर्केड भवन है, जहां कई कोचिंग कक्षाएं संचालित होती हैं. इस भवन का प्लास्टर वाला हिस्सा गिरने से छात्रों की जान को खतरा हो गया है।

घटना की जानकारी मिलते ही शिवसेना उबाठा की युवा सेना मौके पर पहुंची और छात्रों की सुरक्षा के लिए कमिश्नर डॉ. अजीज शेख को निवेदन दिया.

साई आर्केड में कई कोचिंग कक्षाएं और दुकानें हैं और न्यू इंग्लिश जूनियर कॉलेज की आईटी कक्षाएं इस इमारत में ली जाती हैं। करीबन 1 हजार विद्यार्थी इस इमारत में क्लासेस के लिए आते हैं.

3 तारीख की शाम को इमारत की स्लैब का भाग गिरने से कोई जनहानि तो नहीं हुई लेकिन विद्यार्थी और दुकानदार भयभीत हो गए हैं. युवा सेना कल्याण जिला अधिकारी भाऊ म्हात्रे, अंबरनाथ विधानसभा युवा सेना अधिकारी राज प्रकाश महाडिक, उल्हासनगर युवा सेना अधिकारी अंकुश भांडे, सचिव वैभव गायकवाड, विभाग अधिकारी महेश घोरपड़े, युवा सैनिक रोनाल्ड रोसारियो, शाखा प्रमुख गणेश शिंगाडे मौके पर उपस्थित थे।

युवा सेना ने आयुक्त डॉ. अजीज शेख को बयान दिया है कि यदि वे छात्रों की सुरक्षा के लिए गंभीर कदम नहीं उठाते हैं और भविष्य में कोई दुर्घटना या जानमाल की हानि होती है, तो उल्हासनगर मनपा प्रशासन जिम्मेदार होगा.

बिजली समस्या हल नहीं हुई तो आंदोलन

यूबीटी के कल्याण जिला प्रमुख धनंजय बोडारे ने दी चेतावनी

- बिजली कटौती से व्यापार ठप्प
- पानी की भी हो रही किल्लत
- अधिकारियों के साथ हुई बैठक

उल्हासनगर. उल्हासनगर में बिजली आपूर्ति बार-बार बाधित होने से पानी की समस्या उत्पन्न हो जाती है, जिससे आम नागरिकों को परेशानी हो रही है. शहर में बार-बार बिजली कटौती के कारण व्यापार पर भी बुरा असर हो रहा है। बिजली बिल बढ़ोतरी और विभिन्न समस्याओं के लिए, शिवसेना यूबीटी पदाधिकारियों द्वारा महा वितरण पदाधिकारियों के साथ बैठक कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। शिवसेना यूबीटी के कल्याण जिला प्रमुख धनंजय बोडारे ने चेतावनी दी है कि अगर पंद्रह दिनों के भीतर सभी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो वे महावितरण के खिलाफ आंदोलन करेंगे.

उल्हासनगर राकांपा द्वारा लाडकी बहिण योजना हेतु मार्गदर्शन शिविर

राकांपा उल्हासनगर शहर जिल्हाध्यक्ष गंगोत्री के नेतृत्व में हुई सभा

उल्हासनगर. हाल ही में महाराष्ट्र सरकार द्वारा लाडकी बहिण योजना घोषित की गई है तो ऐसे में उस व योजना के लाभ और आवेदन के बारे में राकांपा उल्हासनगर शहर जिल्हाध्यक्ष भारत राजवानी (गंगोत्री) द्वारा मार्गदर्शन शिविर का आयोजन किया गया था। जिस शिविर में समाजसेवी अमर पवार अनेक द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई।

2024-25 के लिए अनुपूरक पेश करते हुए उपमुख्यमंत्री अर्थमंत्री अजित पवार द्वारा मुख्यमंत्री-माझी लाडकी बहिण योजना की घोषणा की गई है। जिस घोषणा के दौरान डिप्टी सीएम अजित पवार ने कहा कि नारी परिवार का सहारा होती है और महिलाओं को अकेले ही परिवार संभालने की जिम्मेदारी रहती जिन महिलाओं को तुरंत आर्थिक मदद उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। इसीलिए सरकार द्वारा बेटी-बहनों के लिये मुख्यमंत्री-लाडकी बहीण योजना की घोषणा की जा रही है और यह एक व्यापक एवं महत्वाकांक्षी योजना है। जिस योजना के तहत 21 से 65 वर्ष की पात्र महिलाओं को हर महीने 1500 रुपये प्रदान किये जाऐंगे और उस योजना के लिये सरकार हर साल 46 हजार करोड़ रुपये का फंड योजना से महिलाओं को आर्थिक सहायता और सशक्तिकरण मिलेगा।

बता दें कि उसी उपलक्ष्य में कैंप-5 स्थित राकांपा के मध्यवर्ती कार्यालय में भारत गंगोत्री की अध्यक्षता में जरूरतमंदों के लिये एक मार्गदर्शन शिविर का आयोजन किया गया था। जिस शिविर के माध्यम से समाजसेवी अमर पवार द्वारा बहुचर्चित लाडकी बहिण योजना के लाभ और आवेदन के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। जिस शिविर में राकांपा प्रदेश महासचिव सोनिया धामी व पक्ष के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

भगतसिंह नगर में 12 सीटर शौचालय का लोकार्पण

अब्दुल शेख के प्रयास से शौचालय का निर्माण

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ के पूर्व उप नगराध्यक्ष अब्दुल शेख के प्रयास से शहर पश्चिम के भगतसिंह नगर में भव्य रूप से निर्माण किए गए 12 सीटर शौचालय का उद्घाटन हुआ.

शौचालय के शुरू हो जाने से यहां के निवासियों को सुविधा प्राप्त हुई है. भगतसिंह नगर की जनसंख्या लगभग एक हजार है. गत चार वर्ष से प्रशासकीय राज होते हुए भी अब्दुल शेख के प्रयत्न से ये शौचालय बनकर तैयार हुआ है. यहां पर 6 पुरुष एवं 6 महिला शौचालय नपा की निधि से निर्माण किया गया है. नया ड्रेनेज भी यहां पर डाला गया है. शुक्रवार को अब्दुल शेख ने फीता काटकर शौचालय का लोकार्पण किया. उपस्थित महिलाओं ने नपा स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि नया शौचालय तो अब्दुल भाई की कृपा से बन गया है. अब सफाई का भी प्रबंध किया जाए. अब्दुल शेख ने भी नपा प्रशासन से मांग की है कि शौचालय की रोजाना साफ सफाई का प्रबंध किया जाए. शौचालय के शुरू हो जाने से यहां के निवासियों ने अब्दुल शेख का आभार व्यक्त किया है. लोकार्पण के समय फिरोज खान, राजेश राठोड, शेर खान आदि उपस्थित थे. शेख ने नपा के प्रशासक, मुख्याधिकारी डॉ. प्रशांत रसाल, अति. मुख्याधिकारी पराडकर का आभार व्यक्त किया है.

विस में उठा वालधुनी नदी के संरक्षण का मुद्दा

विधायक विश्वनाथ भोईर ने की बजट में वित्तीय प्रावधान की मांग

कल्याण. कल्याण पश्चिम के विधायक विश्वनाथ भोईर ने मांग की है कि अंबरनाथ, उल्हासनगर सहित कल्याण शहर के मध्य भाग से गुजरने वाली वालधुनी नदी के संरक्षण के लिए राज्य सरकार बजट में वित्तीय प्रावधान करे। उन्होंने राज्य के बजट सत्र में यह मांग कर सरकार का ध्यान पिछले एक दशक से लंबित वालधुनी नदी के मुद्दे की ओर खींचा है. कल्याण शहर के मध्य से होकर गुजरने वाली यह वालधुनी नदी आज वस्तुतः एक नाले का रूप धारण कर चुकी है। विधायक भोईर ने कहा कि अंबरनाथ, उल्हासनगर से कल्याण पहुंचने तक एक तरफ नाले का पानी और दूसरी तरफ केमिकल फैक्ट्रियों से छोड़े गए पानी के कारण वालधुनी नदी की हालत खराब हो गई है।

साथ ही पिछले कई वर्षों से लंबित वालधुनी नदी के संरक्षण की प्रक्रिया के लिए बजट में प्रावधान करने की मांग करते हुए कहा कि इस नदी से गाद को हटाया जाए और इसकी सफाई व गहरीकरण किया जाए। उन्होंने सभागृह को यह भी बताया कि इस नदी के किनारे स्थित घोलप नगर, भवानी नगर, योगीधाम आदि बड़े आवासीय परिसर मानसून के दौरान बाढ़ से नहीं घिरेंगे और बड़ी राहत मिलेगी. और उन्होंने इस नदी के संरक्षण के लिए बजट में प्रावधान करने की मांग कर एक दशक से लंबित इस मुद्दे पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया. वहीं उल्हासनगर के विधायक कुमार आयलानी शहर के मुद्दे उठाने में फेल हुए हैं. 5 वर्षों में आयलानी ने कोई मुद्दा नहीं लिया. वालधुनी नदी अंबरनाथ व उल्हासनगर में भी बहती है.

वालधुनी नदी का पिछले एक दशक से लंबित मुद्दा

2005 में मुंबई में मीठी नदी की बाढ़ के बाद वहां प्राधिकरण की स्थापना कैसे हुई. इसी तर्ज पर तत्कालीन राज्य सरकार द्वारा वालधुनी नदी प्राधिकरण की घोषणा की गई थी। वाल्धुनी नदी विकास प्राधिकरण समिति और तदनुसार स्थापित उप-समिति द्वारा 2011 में एक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी। इस हिसाब से इस काम की लागत 650 करोड़ रुपये आने की उम्मीद थी. लेकिन चूंकि यह फंड अंबरनाथ, उल्हासनगर और कल्याण स्थानीय निकायों की पहुंच से बाहर है, इसलिए राज्य सरकार ने बार-बार इसे उपलब्ध कराने की मांग की है। विधायक विश्वनाथ भोईर ने एक बार फिर राज्य के बजट सत्र में इस महत्वपूर्ण मुद्दे को उठाकर सरकार का ध्यान आकर्षित किया है.

उल्हासनगर में 24 हजार का गुटखा जब्त

उल्हासनगर. कैंप नंबर-3, चोपड़ा कोर्ट स्थित पाल पान दुकान से खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने छापेमारी कर 24 हजार रुपये का गुटखा जब्त किया. इस संबंध में सेंट्रल थाने में कृष्णशंकर सियाराम पाल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. कृष्णा शंकर पाल की उल्हासनगर कैंप नंबर-3, चोपड़ा कोर्ट इलाके में पाल पान सेंटर नाम से पान की दुकान है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग को सूचना मिली थी कि दुकान में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक तंबाकू उत्पाद बेचे जा रहे हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेंद्र कार्डक की टीम ने पाल पान सेंटर दुकान पर छापा मारकर तंबाकू गुटखा जब्त किया। गुटखे की कीमत 24 हजार 441 रुपये है और इस मामले में सेंट्रल पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है. पुलिस आगे की जांच कर रही है.

कांग्रेस ने महावितरण को आड़े हाथों लिया

- शिष्टमंडल ने अधिकारी की चर्चा
- अधिकारी ने दिया आश्वासन
- बिजली की आंखमिचौली से लोग परेशान

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ में लाइट और पानी की समस्या को लेकर सभी परेशान हैं. राजनीतिक पक्षों ने भी इन दोनों विभाग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. अब डर ये है कि रोष में आए शहरवासियों के आंदोलन से कानून व्यवस्था बिगड़ ना जाए. लोगों का कहना है कि शहर पुलिस विभाग ने भी विभाग के अधिकारियों से जवाब तलब करना चाहिए कि उनसे शहरवासी क्यों परेशान हैं. आंदोलन से अगर शहर में कानून व्यवस्था बिगड़ गई तो उसके जिम्मेदार दोनों विभाग के अधिकारी होंगे. अंबरनाथ ब्लॉक गई तो उसके जिम्मेदार दोनों विभाग

के अधिकारी होंगे. अंबरनाथ ब्लॉक कांग्रेस ने गत दिनों पानी के लिए जलापूर्ति विभाग पर मोर्चा निकाला था. अब ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष एड. कृष्मा रसाल पाटिल के नेतृत्व में एवं रोहित प्रजापति, कोषाध्यक्ष गोपाल रॉय व अन्य साथियों के साथ महावितरण पर भी मोर्चा निकाल कर उन्हें वार्निंग दी है कि बार-बार लाइट गुल होने से लोग परेशान हैं. लाइट जाने के कारण लोगों को पानी भी नहीं मिल रहा है. लाइट का बिल भी ज्यादा दिया जा रहा है. शिष्टमंडल ने अधिकारी अलका कवाले का घेराव करके उनसे कहा कि वह अपनी मनमानी को बंद करें. लोगों का गुस्सा आसमान पर है. गोपाल राय ने कहा कि जिस प्रकार उपभोक्ताओं से लाइट बिल वसूल किया जाता है. उसी प्रकार उनको सुविधा भी दी जाए. कृष्णा पाटिल, रोहित प्रजापति, गोपाल राय, अनिता प्रजापति, शुभदा काले, प्रमोद पांडे, रईस खान, राजेंद्र मिश्रा, सईदा सय्यद ने इस मुद्दे को गंभीरता से लेने के लिए कहा. कवाले मैडम ने कांग्रेस के शिष्टमंडल को आश्वासन दिया कि विद्युत की सर्विस वह अच्छे पैमाने पर देंगी. जिसके लाइट बिल ज्यादा है. उनका बिल भी नियमानुसार कम किए जाएंगे.

उल्हास विकास

जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो. फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, जिसे तुमसे कोई नहीं छिन सकता. - महात्मा गौतम बुद्ध

उल्हास विकास

संपादकीय

मणिपुर का दर्द

मणिपुर पिछले एक वर्ष से ज्यादा समय से अशांति और हिंसा के दौर से गुजर रहा है। सरकार की ओर से तमाम कवायदों के बावजूद आज भी हालात में कोई बड़ा बदलाव आता नहीं दिख रहा है। जाहिर है, मुख्य रूप से मैतेई और कुकी समुदायों के बीच चल रहे हिंसक टकराव की आग में आम लोग झुलस रहे हैं और इस पर काबू पाने में सरकार नाकाम रही है। दरअसल, लोकतंत्र और शासन के बुनियादी सिद्धांतों के तहत कम से कम सरकार को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वह इस संघर्ष के दौरान किसी खास तबके के पक्ष में या किसी के खिलाफ न दिखे।

मगर मणिपुर में सरकार पर ऐसे आरोप कई बार लगाए गए कि वह मैतेई समुदाय के लिए नरम रुख और कुकी समुदाय के प्रति उपेक्षा का भाव रखती है। इस क्रम में सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सरकार के प्रति सख्त नाराजगी जाहिर करते हुए उसे इस बात के लिए कठघरे में खड़ा किया कि एक व्यक्ति को सिर्फ इसलिए अस्पताल नहीं ले जाया गया क्योंकि वह अल्पसंख्यक कुकी समुदाय से था।

गौरतलब है कि मणिपुर में अब भी कुकी और मैतेई समुदाय के बीच टकराव जारी है। मगर कम से कम सरकार की जिम्मेदारी होती है कि वह अपने क्षेत्राधिकार में हर नागरिक के प्रति समान बर्ताव करे, बिना किसी भेदभाव के सबके लिए सुरक्षित और सहज जीवन सुनिश्चित करे। जरूरत इस बात की है कि राज्य सरकार किसी समुदाय के प्रति पूर्वाग्रहों के बिना शांति-व्यवस्था कायम करे। किसी बीमार या जरूरतमंद व्यक्ति की मदद से बचने के लिए अगर कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका को कारण बताया जाता है, तो सवाल है कि इसे बहाल करने और रखने की जिम्मेदारी किसकी है? हालत यह है कि राज्य में दो समुदायों के बीच हिंसा के एक वर्ष से ज्यादा बीत चुके हैं, दो सौ से अधिक लोग मारे जा चुके हैं और आज भी सरकार शांति कायम कर पाने में नाकाम है। एक ओर, केंद्र सरकार संसद में यह आश्वासन दे रही है कि मणिपुर में शांति की आशा और भरोसा करना संभव हो रहा है, वहीं सुप्रीम कोर्ट को यह टिप्पणी करनी पड़ रही है कि उसे मणिपुर सरकार पर भरोसा नहीं है। किसी भी लोकतांत्रिक कही जाने वाली सरकार के लिए यह आदर्श स्थिति नहीं है।

समाज : 'परिवार' का मूल्य समझाता पश्चिम

हाल ही में एक खबर ने चकित किया। उसमें बताया गया था कि अब स्वीडन में दादा-दादी और नाना-नानी को पोते-पोतियों, नाती-नातिनों की देखभाल करने के लिए बच्चे के जन्म के पहले साल में तीन महीने की सवैतनिक छुट्टी मिलेगी। यह कानून वहां की संसद में पास किया गया है। स्वीडन दुनिया का पहला देश है, जिसने पचास साल पहले माता-पिता बनने पर न केवल माताओं को, बल्कि पिताओं के लिए भी अवकाश देने की घोषणा की थी। यहां बच्चे के जन्म पर सोलह महीने या चार सौ अस्सी दिन के अवकाश लाभ दिए जाते हैं। इस खबर को पढ़कर वे घटनाएं याद आती हैं, जहां अमेरिका और यूरोप में लोग इस बात पर आश्चर्य करते हैं कि भारत से दादा-दादी, नाना-नानी बारी-बारी से अपने नाती-नातिनों, पोते-पोतियों की देखभाल करने के लिए छह-छह महीने के लिए वहां जाते रहते हैं। पश्चिम इन दिनों परिवार के संपूर्ण बिखराव से परेशान है। वहां बहुत से युवा, जिनमें लड़के-लड़कियां, दोनों शामिल हैं, विवाह नहीं करना चाहते। विवाह हो भी जाए, तो वे बच्चों को जन्म देना नहीं चाहते। बच्चे पालना उन्हें भारी जिम्मेदारी और अपनी आजादी में खलल की तरह महसूस होता है। इस लेखिका ने यूरोप में ऐसे अनेक लोगों को देखा है, जो या तो अकेले रहते हैं या उनके बच्चे नहीं हैं। बच्चों का शौक पूरा करने के लिए वे कई सारे कुत्ते-बिल्लियां पालते हैं। सुबह-शाम उन्हें घुमाने ले जाते हैं। उनके स्वास्थ्य की देखभाल करते हैं। उन्हें अच्छा भोजन देते हैं। कहने का अर्थ यह कि इन जानवरों को पालने में भी

लगभग उतनी ही मेहनत करनी पड़ती है, जितनी बच्चों को पालने में। लेकिन विभिन्न विमर्शों ने पिछली एक सदी से परिवार नामक संस्था की इतनी बुराई की है कि युवाओं को परिवार बसाना-बढ़ाना अपने जीवन की सबसे बड़ी मुसीबत लगता है। माता-पिता से तो वे बहुत जल्दी ही अलग हो जाते हैं। उनसे वे किसी पर्व-त्योहार या ऐसे ही किसी अवसर पर मिलते हैं। बहुतेरे तो उनके बीमार होने पर भी उनकी कोई सुध नहीं लेते।

इसीलिए वे भारत के पारिवारिक ढांचे को आश्चर्य से देखते हैं, लेकिन खुद पारिवारिक बंधनों से दूर भागते हैं। हालांकि हमारे यहां भी दशकों से एकल परिवार को किसी वरदान की तरह देखा जा रहा है। अक्सर पर्सनल कॉलम्स में बुजुर्ग शिकायत करते हैं कि उन्होंने अपनी पूरी उम्र और जमा-पूंजी अपने बच्चों को पालने, उनकी देखभाल करने और शिक्षा पर खर्च कर दी? मगर अब बच्चे उनसे मिलना तो दूर, एक फोन करने तक की जरूरत महसूस नहीं करते। ऐसी भी खबरें आती हैं कि जब माता-पिता की मृत्यु हो जाती है, तो विदेशों में रहने वाले बच्चे पड़ोसियों से कहते हैं कि अंतिम संस्कार आप ही कर दीजिए। हमें अपना अकाउंट नंबर दे दीजिए। पैसे ट्रांसफर कर देंगे। पश्चिम के लोग परिवार की वापसी के नारे लगा रहे हैं। वे एकल परिवारों की मुसीबतों से परेशान हैं। वहां के बहुत से बच्चे कम उम्र में ही ऐसी तमाम गतिविधियों में लग जाते हैं, जो उनके भविष्य के लिए अच्छी नहीं हैं। लेकिन जिन विचारों को फैलाकर पश्चिम ने परिवारों को नेस्तनाबूद किया, उनके रहते परिवार की वापसी मुश्किल ही दिखती है। व्यक्तिवाद के चलते मनुष्य कितना स्वार्थी और आत्मकेंद्रित हो जाता है, पश्चिम के समाज उसके ज्वलंत उदाहरण हैं। किसी डे केयर सेंटर में बच्चे पालने से बच्चों को वैसी देखभाल नहीं मिलती, जो दादा-दादी या नाना-नानी के रहते होती है। सहायिकाओं के भरोसे भी बच्चों की उचित देखभाल की गारंटी नहीं दी जा सकती। इसके अलावा, जब युवाओं को यह बताया जाएगा कि परिवार तुम्हारे कैरियर में सबसे बड़ा रोड़ा है, तो वे भला परिवार क्यों बसाएंगे! लेकिन स्वीडन का कानून बता रहा है कि अगली पीढ़ी की बेहतरी के लिए पुरानी पीढ़ी का होना और बच्चों को उनका स्नेह मिलना कितना जरूरी है। दादा-दादी या नाना-नानी के सान्निध्य में बच्चों की परवरिश से बहुत से अच्छे मूल्य उनके मन में आसानी से जगह बना लेते हैं। वे माता-पिता के काम पर जाने के बाद खुद को अकेला नहीं महसूस करते हैं। उनमें सुरक्षा की भावना भी मजबूत होती है। अपने यहां आजादी के नाम पर हम जिस परिवार के बिखराव का जश्न मना रहे हैं, उस बारे में भी सोचने की जरूरत है।

हमें ध्यानाभ्यास में पूर्ण एकाग्रता के साथ बैठना चाहिए।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

आस्था के नाम पर त्रासदी और बेखबर सरकार

हाथरस में एक सत्संग के दौरान हुए हादसे की न्यायिक जांच की घोषणा हो गई है और इस तरह अब इसके सहारे सरकार इस घटना पर उठने वाले सवालों के शांत होने की उम्मीद कर रही है। अब इस जांच के नतीजे कब आएंगे, किसकी जिम्मेदारी तय की जाएगी, क्या कार्रवाई होगी, यह सरकार की इच्छाशक्ति पर निर्भर है। मगर इस घटना में जो हुआ, उसने न केवल किसी स्वयंभू बाबा और उसके समूह को, बल्कि सरकार और समूचे प्रशासन-तंत्र को कठघरे में खड़ा किया है। हालत यह है कि एक बाबा के कथित सत्संग के आयोजन को लेकर तो सभी स्तरों पर लापरवाही बरती ही गई, उससे उपजी अव्यवस्था की वजह से मची भगदड़ में कम से कम एक सौ इक्कीस लोगों के मारे जाने के बाद कार्रवाई के मामले में भी पुलिस और प्रशासन का जो रुख सामने आया है, वह हैरान करने वाला है। खबरों के मुताबिक भगदड़ के बाद छह सेवादार भाग गए थे, जिन्हें बाद में गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन मुख्य आरोपी को पकड़ने के लिए एक लाख रुपए इनाम की घोषणा की गई। इसके अलावा, पुलिस का कहना है कि अगर जरूरत पड़ी तो 'भोले बाबा' से भी पूछताछ की जाएगी। हालांकि इसका कोई संतोषजनक जवाब सामने नहीं आया है कि बाबा का नाम पुलिस के पास दर्ज प्राथमिकी में क्यों नहीं है!

सवाल है कि आस्था के नाम पर सामने आई त्रासदी के लिए अगर सत्संग के आयोजकों की जिम्मेदारी बनती है, तो इस व्यापक लापरवाही में प्रशासन भी अपनी जवाबदेही से कैसे बच सकता है? अस्सी हजार लोगों की जुटान की इजाजत दे दी गई और ढाई लाख लोगों

का जमावड़ा हो गया तो यह किसके आंख मूंद लेने की वजह से हुआ? इतनी बड़ी तादाद में लोगों के वहां आने के बाद प्रशासन ने क्या ऐसा किया ताकि आपात स्थितियों में बचाव हो सके?

जिस राज्य में आए दिन सरकार किसी भी कोने में छिपे अपराधियों को काबू में करने का दावा करती रहती है, उसमें पुलिस और खुफिया तंत्र के इतने बड़े जाल के बावजूद 'भोले बाबा' कैसे फरार हो गया? सब कुछ दुरुस्त होने के दावे के बीच एक बाबा भारी संख्या में लोगों को जुटा कर अपनी महिमा का बखान करता रहा। फिर भगदड़ के बाद उसके फरार हो जाने पर पुलिस उसे पकड़ नहीं पा रही और प्राथमिकी तक में उसका नाम नहीं है तो इसके पीछे क्या वजहें हैं?

सच यह है कि इस तरह बाबाओं के समाज या साधारण लोगों के बीच पांव पसारने और उन्हें मन-मुताबिक संचालित करने के लिए भी सरकार की जिम्मेदारी बनती है। आम लोग अपनी जीवन-स्थितियों में बेहतरी और विकास लाने के साथ-साथ अच्छी पढ़ाई-लिखाई करें, नए विचारों से समृद्ध हों, इसकी व्यवस्था करना सरकार का दायित्व है। मगर इसके समांतर संदिग्ध पृष्ठभूमि वाला कोई व्यक्ति बाबा का रूप धर कर लोगों को इस हद तक प्रभावित कर लेता है कि कुछ पीड़ित भी भगदड़ और लोगों के मारे जाने के लिए उस पर सवाल उठाने को गलत मानने लगते हैं। आस्था के नाम पर इस तरह के सम्मोहन की स्थिति पैदा होने को लेकर क्या सरकारों की कोई जवाबदेही नहीं बनती? अव्यवस्था से उपजी कोई बेहद दुखद घटना हो जाती है, लोगों की जान चली जाती है, तब समूचा सरकारी तंत्र अत्यधिक सक्रिय दिखने लगता है। अफसोस की बात यह है कि जब ऐसी भयावह घटनाओं की भूमिका बन रही होती है, तब सरकार बेखबर रहती है। अगर समय रहते थोड़ी भी सक्रियता दिखाई जाती, तो शायद ऐसी त्रासदी से बचा जा सकता था!

एक छत के नीचे रहते हैं परिवार के 52 सदस्य

जरा हट के

आज का दौर न्यूक्लियर फैमिली का है. संयुक्त और बड़े परिवार अब कहीं नजर नहीं आते. लेकिन क्या किसी फैमिली में 52 सदस्य हो सकते हैं. ऐसा है कोरबा जिले के मदनपुर गांव में रहने वाला राठिया परिवार. यह परिवार एकता और पारिवारिक प्रेम की बेहद खूबसूरत मिसाल पेश करता है. एक खूबसूरत तस्वीर कोरबा के मदनपुर गांव में रहने वाले राठिया परिवार की है. इसमें 1 साल के बच्चे से लेकर 85 साल के मुखिया सहित 52 लोग एक साथ एक ही घर में रहते हैं. बच्चों के चेहरे पर मुस्कान, देवरानी और जेठानी के बीच अटूट प्रेम और भाइयों की सोच से इस घर का आंगन खुशहाल है. बड़े भाई गणपत राम राठिया ने प्रेम की डोर मे सबको बांधकर रखा है.

राठिया परिवार के सभी सदस्यों का खाना एक ही चूल्हे पर बनता है. देवरानी, जेठानी और नन्द सभी मिलकर घर की

रसोई और परिवार संभालती हैं. भाई बहनों को दूसरे दोस्तों की जरूरत ही नहीं पड़ती. राठिया परिवार का घर चहल-पहल से भरा हुआ है. ये लोग आपस में ही हंसी ठिठोली कर सुकून और खुशी पाते हैं. इससे परिवार में मजबूत बंधन और प्यारी यादें बनती हैं जो जीवन भर रहेंगी.

4 पीढ़ी से साथ

घर के मुखिया गणपत राम राठिया ने बताया उनका परिवार चार पीढ़ी से मिलकर साथ रह रहा है. अपनी आने वाले पीढ़ी को भी यही शिक्षा देते हैं कि सबके साथ मिलजुल कर रहना है. राठिया परिवार की कहानी पारिवारिक रिश्तों की ताकत और घर के भीतर संबंधों के महत्व की याद दिलाती है. चुनौतियों और मतभेदों का सामना करते हुए प्यार, एकता और एकजुटता का प्रदर्शन करके, राठिया परिवार पारिवारिक रिश्तों को सबसे ऊपर रखने के लिए प्रेरित करता है.

अंडा कबाब

सामग्री :

- 6 अंडा
- 1 मुट्ठी बारीक कटी हरा धनिया
- 1 चम्मच गरम मसाला पाउडर
- 1 1/2 चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- 1/2 कप पानी
- नमक आवश्यकतानुसार
- 150 ग्राम बेसन
- 1 बारीक कटा प्याज
- 1 चम्मच पिसी हुई काली मिर्च
- 1 कप ब्रेडक्रम्ब्स
- 1 1/2 कप रिफाइंड तेल

विधि :

इस आसान कबाब रेसिपी को बनाने के लिए सबसे पहले अंडे को एक चुटकी नमक के साथ उबालें. जब अंडे उबल जाएं तो उनके छिलके हटा दें और उबले हुए अंडों को एक बड़े कटोरे में कद्दूकस कर लें. फिर इसमें ब्रेड क्रम्ब्स और तेल को छोड़कर बाकी सभी सामग्री डालें. सभी सामग्रियों को अपने हाथों से अच्छी तरह मिला लें. मिश्रण में एक बार में 1-2 बड़े चम्मच ही पानी डालें।

आवश्यकता से अधिक पानी न डालें. सुनिश्चित करें कि मिश्रण की कंसिस्टेंसी चिपचिपी हो और पानी जैसी न हो. ब्रेड के टुकड़ों को कोटिंग के लिए अलग रख दें.

मिश्रण को हाथ से अच्छी तरह गूथ लीजिये ताकि इसका टेक्सचर स्मूथ हो जाये. अपने स्वाद के अनुसार मसालों को बैलेंस करें और मिश्रण को छोटे-छोटे कबाब का आकार दें. प्रत्येक कबाब को ब्रेडक्रंब में डुबोकर अच्छी तरह से कोट कर लें. एक गहरे तले वाले पैन में तेल गर्म करें और कबाब को दोनों तरफ से सुनहरा होने तक पकाएं. आंच धीमी रखें नहीं तो अंडे के कबाब में मसाला जल जाएगा. अंडे के कबाब को अब्सॉर्बेंट पेपर पर निकाल लें.

प्याज के छल्लों और किसी भी तीखी चटनी के साथ गरमागरम परोसें. आप इस डिश को बच्चों के लंच बॉक्स के लिए भी तैयार कर सकती हैं.

इन वजहों से लड़कियों में बढ़ जाता है मोटापा

मोटापा आजकल हर दूसरे व्यक्ति के लिए एक बड़ी समस्या बन चुका है। लेकिन बात अगर खासतौर पर महिलाओं में बढ़ते मोटापे की समस्या की करें तो उसके पीछे डाइट और वर्कआउट ही नहीं बल्कि अन्य कारण भी जिम्मेदार हो सकते हैं। जी हां, एक महिला अपने जीवन में कई तरह के शारीरिक और मानसिक बदलाव से होकर गुजरती है। जिसका सीधा असर उसकी सेहत पर पड़ता है। महिलाओं में बढ़ता मोटापा भी ऐसे ही साइड इफेक्ट्स में शामिल है। आइए जानते हैं महिलाओं में उम्र के वो अलग-अलग पड़ाव, जहां पहुंचकर उनमें बढ़ने लगती है मोटापे की समस्या। -

प्यूबर्टी एज-

प्यूबर्टी किसी महिला के जीवन का वो समय होता है, जहां पहुंचकर उसका शरीर यौन रूप से परिपक्व हो जाता है। इस दौरान उसकी बॉडी में कई हार्मोनल बदलाव हो रहे होते हैं। जो शारीरिक और भावनात्मक रूप से उस पर गहरा असर डालते हैं। इस दौरान लड़कियों को भूख का अहसास अधिक होता है। जिसकी वजह से उसके शरीर में फैट सेल्स आकार और मात्रा दोनों में बढ़ने लगते हैं। -ऐसे में लड़कियों को अपने खाने-पीने की आदतों का खास ख्याल रखना चाहिए। मोटापे को कंट्रोल रखने के लिए डाइट में हेल्दी चीजों को शामिल करना चाहिए।

गर्भावस्था-

प्रेग्नेंसी के दौरान एक महिला का वजन बढ़ना सामान्य बात है। गर्भावस्था के दौरान भ्रूण का वजन बढ़ाने के लिए मां को पौष्टिक आहार लेने की जरूरत होती है। यही वो समय होता है जब सामान्यः एक गर्भवती महिला का 12 से 16 किलो तक वजन बढ़ सकता है। प्रेग्नेंसी के बाद अपने डॉक्टर से पूछकर व्यायाम और योग करके आप वापस अपना टोन फिगर पा सकती है।

ऑफिस का तनाव-

घंटों एक ही जगह बैठकर काम करने से भी महिलाओं में मोटापे की समस्या बढ़ रही है। ऐसे में महिलाओं को खुद को फिट रखने के लिए ऑफिस में दिन में कुछ समय स्टैंडिंग पोजीशन में काम करना चाहिए, ट्रेडमिल और साइकिलिंग की मदद लेनी चाहिए।

तनाव-

तनाव से सिर्फ मानसिक स्वास्थ्य पर ही नहीं बल्कि महिला के शारीरिक स्वास्थ्य पर भी असर पड़ता है। ऐसे ही शारीरिक प्रभावों में से एक वजन बढ़ना भी हो सकता है। बता दे, तनाव हार्मोन कॉर्टिसोल अधिक खाने और अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों की ओर आकर्षित होने की इच्छा को बढ़ा सकता है। जिससे मोटापा बढ़ता है। ऐसे में स्ट्रेस को दूर रखने के लिए मेडिटेशन का सहारा लें।

मेनोपॉज-

महिलाओं में रजोनिवृत्ति के बाद हार्मोनल परिवर्तन और वजन बढ़ना जारी रह सकता है। रजोनिवृत्ति के दौरान और उसके बाद आपका शरीर वसा को अलग-अलग तरीके से संग्रहीत करता है, जिसमें पेट के आस-पास की चर्बी बढ़ जाती है। ऐसे में अच्छा खाना और नियमित रूप से व्यायाम करने से मेनोपॉज के बाद वजन बढ़ने से बचा जा सकता है।

आज का राशिफल

मेष : दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। विरोध होगा। विवाद से क्लेश होगा, इससे बचें। पुराना रोग उभर सकता है। परिवार की चिंता रहेगी।

वृषभ : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। भाग्य का साथ मिलेगा। शत्रु सक्रिय रहेंगे। शारीरिक कष्ट संभव है। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें।

मिथुन : परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। तनाव रहेगा। पुराना रोग उभर सकता है। लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी व्यक्ति की बातों में न आएं। महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें, लाभ होगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

कर्क : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। धनहानि संभव है, सावधानी रखें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद से बचें। शत्रु शांत रहेंगे।

सिंह : धन प्राप्ति सुगम तरीके से होगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने में रुझान रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि से मनोनुकूल लाभ होगा। कष्ट, तनाव व चिंता का वातावरण बन सकता है। शत्रु पस्त होंगे।

कन्या : व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेंगे। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। लंबित कार्य पूर्ण होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। किसी साधु-संत का आशीवार्द मिल सकता है। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। प्रमाद न करें।

तुला : व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराना रोग उभर सकता है। दूर से दुःखद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। किसी व्यक्ति के व्यवहार से अप्रसन्नता रहेगी। अपेक्षित कार्य विलंब से होंगे। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। किसी व्यक्ति विशेष की नाराजी झेलना पड़ेगी।

वृश्चिक : जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। नौकरी में शांति रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। मित्रों का सहयोग रहेगा। कार्य समय पर पूर्ण होंगे। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। थकान व कमजोरी रह सकती है।

धनु : भूमि व भवन इत्यादि की खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। प्रमाद न करें। जल्दबाजी न करें। कोई समस्या खड़ी हो सकती है। शरीर शिथिल हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

मकर : विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित होगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। मित्रों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। रुके कार्यों में गति आएगी। प्रसन्नता रहेगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। जोखिम न उठाएं।

कुंभ : किसी अपने ही व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। नौकरी में कार्यभार रहेगा। भागदौड़ रहेगी। आय होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। जल्दबाजी से चोट लग सकती है। दूर से शोक समाचार मिल सकता है।

मीन : धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बेचैनी रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

कैल्शियम का पावर हाउस है तिल का बीज

कई बार जोड़ों में तेज दर्द होने लगता है. चलना-फिरना दूभर हो सकता है. खासकर, घुटनों में दर्द हो तो उठने-बैठने में काफी परेशानी होती है. यदि आपके भी घुटने में दर्द रहता है तो आप तिल के बीजों का सेवन करके देखें. ये छोटे बीज सेहत को कई तरह से लाभ पहुंचाते हैं. न्यूट्रिशनिस्ट कविता देवगन अपने इंस्टाग्राम पर तिल के बीजों के फायदे से संबंधित एक पोस्ट शेयर किया है, जो घुटने के दर्द को भी दूर रखने में कारगर है.

तिल के बीज में पोषक तत्व

न्यूट्रिशनिस्ट कविता देवगन के अनुसार, तिल के बीज में भरपूर मात्रा में कैल्शियम, आयरन, पोटैशियम, फॉस्फोरस, जिंक, सेलेनियम, मैग्नीशियम, थियामिन, विटामिन बी6, फोलेट, राइबोफ्लेविन, विटामिन ई जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं. ऐसे में ये आपके शरीर को कई तरह से स्वस्थ रखते हैं. कैल्शियम होने के कारण हड्डियों को मजबूत बनाते हैं.

हड्डियों के लिए तिल के बीजों के फायदे

चूंकि, तिल के बीजों में जिंक, कैल्शियम, फॉस्फोरस जैसे मिनरल्स होते हैं, जो हड्डियों की सेहत को दुरुस्त रखते हैं. ये खनिज नए अस्थि पदार्थ और हड्डियों को मजबूत बनाने और उनकी मरम्मत करने के लिए आवश्यक हैं. आपके घुटने में दर्द रहता है तो आप तिल के तेल की मालिश कर सकते हैं. इससे दर्द काफी हद तक कम हो सकता है. प्रत्येक रात सोने से पहले आप तिल के तेल से मालिश करें.

तिल के बीजों को ऐसे करें डाइट में शामिल

तिल के बीजों का स्वाद काफी हद तक नट्स की तरह होता है. इसे आप अपने डिश में शामिल कर सकते हैं. 1-2 बड़ा चम्मच तिल के बीजों का सेवन कुछ दिनों तक करें.

रात में जल्दी नहीं आती नींद?

अपनाएं ये टिप्स बेड पर जाते ही बंद होने लगेंगी आखें, रूटीन रहेगा हेल्दी

हम में से कई ऐसे लोग होंग जो रात में जल्दी सोने की खूब कोशिश करते हैं पर नींद न आने की वजह से वे देर रात तक जगते हैं. ऐसा होने से आपका पूरा दिन खराब जाता है और आप ऑफिस या कॉलेज में खुद को थका हुआ महसूस करते हैं. इस खबर में हम जानेंगे कि आप कैसे जल्दी सो सकते हैं. इसके लिए आपको कुछ टिप्स फॉलो करनी होगी. रात में जल्दी नींद न आए, तो किताब पढ़ें या फिर डायरी लिखें. जब भी बेड पर सोने जाए तो इलेक्ट्रोनिक चीजों को कतई न छुए, क्योंकि इससे निकलने वाली लाइट आपके ब्रेन से मेलाटोनिन नामक हॉर्मोन को निकलने से रोकती है. मेलाटोनिन जब अंधेरा होने लगता है तो रिलीज होता है, इसी से आपको नींद आती है.

कमरे का तापमान रखें कम

हेल्थलाइन की रिपोर्ट के अनुसार, गर्म वातावरण में सोने से इंसान के मानसिक स्थिति पर असर पड़ता है. इससे आपकी नींद भी प्रभावित होती है. आप अपने रूम के तापमान को 15-19 डिग्री सेल्सियस रखें. 2019 की एक रिसर्च के मुताबिक, रात को सोने से 1-2 घंटे पहले गर्म पानी से नहाएं.

खाएं हल्का खाना

रात में हल्का खाना खाएं. रात में कोशिश करें अनाज न खाएं.

खिचड़ी या ओट्स खाएं. इसके साथ आप 1 ग्लास दूध ले सकते हैं. इस बात का जरूर ध्यान दें कि आपके डिनर और सोने में करीब 2 घंटे का गैप हो. डिनर के बाद भूलकर भी कॉफी न पीएं, नहीं तो आप जल्दी सुबह उठने वाली रूटीन को फॉलो नहीं कर सकेंगे.

रिलैक्सिंग म्यूसिक

रिसर्च से पता चला है कि शांत म्यूसिक सुनने से नींद जल्दी आती है. 2012 की एक स्टडी में पता चला है कि 50 लोगों ने सुझाव दिया कि जो लोग 45 मिनट तक रिलैक्सिंग म्यूसिक सुनते हैं, वे गहरी नींद लेते हैं.

रूटीन में शामिल करें वर्कआउट

आप सुबह या शाम को एक्सरसाइज जरूर करें. कुछ ऐसी एक्टिविटी करें जो आपको फिट रखेगी वो है- दौड़ना, हाइकिंग, साइक्लिंग या वेट लिफ्टिंग. ऐसी आउटडोर एक्टिविटी से आपको थकान महसूस होगी और रात में जल्दी नींद आएगी.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

शौच कर रहे बुजुर्ग पर मगरमच्छ ने किया हमला, काट ले गया गुप्तांग, हालत गंभीर

कुशीनगर. कुशीनगर जिले के खड्डा थाना क्षेत्र के गैनही जंगल में नहर के किनारे शौच के लिए बैठे एक बुजुर्ग पर मगरमच्छ ने हमला कर दिया और गुप्तांग काट लिया। गंभीर हालत में उन्हें गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। घटनास्थल महराजगंज जिले के निचलौल रेंज के अंतर्गत आता है। खड्डा थाना क्षेत्र के गैनही जंगल निवासी कन्हैया (60) शौच करने के लिए बुढवा जंगल से सटे होकर बहने वाली नहर के किनारे गया था। इसी दौरान नहर से निकले एक मगरमच्छ ने उन पर हमला बोल दिया। बुजुर्ग ने बचाव के लिए जैसे-तैसे उठा ही था कि तब तक मगरमच्छ ने उन पर झपट्टा मारा और गुप्तांग काटकर नहर में चला गया।

बच्चों को कमरे में बंद कर पति ने बीवी को मौत के घाट उतारा, मां को नहीं बचा पाए मासूम

उन्नाव. गुरुवार देर रात घरेलू कलह में पति ने बच्चों को कमरे में बंदकर पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी और भाग गया। बच्चे खिड़की से मां को छोड़ देने की गुहार लगाते रहे पर बेरहम पिता का दिल नहीं पसीजा। ये घटना पुरवा कोतवाली क्षेत्र के तोपखाना मोहल्ले का है। अब्दुल खालिक ने बेटी हिना की दस साल पहले मौरावां क्षेत्र के पारा निवासी मुन्ना के बेटे आसिफ से निकाह किया था। दोनों के दो बच्चे तीन वर्षीय बेटा आकिब और ए सात वर्षीय बेटी शिफा हैं। देर रात पति-पत्नी में विवाद होने लगा तो दोनों बच्चे जग गए। पति ने बच्चों को कमरे में बंदकर दिया और पत्नी को बरामदे में ले जाकर मारने-पीटने लगा। खिड़की से मां को पिटता देख बच्चे पिता से छोड़ देने की गुहार लगाते रहे मगर आसिफ ने दुपट्टे से हिना की गला दबाकर हत्या कर दी और घर से भाग गया।

हाथरस में न्यायिक आयोग ने शुरू की जांच

हाथरस. हाथरस सत्संग हादसे की न्यायिक आयोग ने जांच शुरू कर दी है। शनिवार को आयोग के अध्यक्ष रिटायर्ड जज ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में दो सदस्यीय टीम ने सिकंदराराऊ में घटना स्थल पर जाकर जांच की। इसके अलावा पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों से वार्ता करने के साथ ही पीड़ित परिजनों से भी मिले। शनिवार को दोपहर करीब सवा 12 बजे आयोग के अध्यक्ष ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव और दो सदस्य पुलिस लाइन पहुंचे। जहां पुलिसकर्मियों ने गार्ड ऑफ आनर दिया। उसके बाद टीम ने डीएम और एसपी के साथ-साथ एक घंटे तक दो जुलाई के पूरे प्रकरण की जानकारी हासिल की। उसके बाद टीम घटनास्थल देखने के लिए निकली। दोपहर करीब सवा तीन बजे सिकंदराराऊ के गांव फुलरई स्थित घटनास्थल पर पहुंची। टीम के साथ डीएम आशीष कुमार, सीडीओ साहित्य प्रकाश मिश्र के अलावा एसडीएम और सीओ मौजूद रहे।

कांवड़ यात्रा को लेकर 5 राज्यों के अफसरों ने की मीटिंग, हेलीकॉप्टर-ड्रोन से रखी जाएगी निगरानी

मेरठ. कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर मेरठ कमिश्नरी सभागार में शनिवार को यूपी डीजीपी प्रशांत कुमार और मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने पांच राज्यों के अफसरों के साथ मीटिंग की। कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एक्शन प्लान पर मंथन किया। भीड़ नियंत्रण और ट्रैफिक प्लान पर अफसरों का जोर रहा। बताया गया कि यूपी-उत्तराखंड में आठ ज्वाइंट कंट्रोल रूम बनाए जा रहे हैं, जहां दोनों राज्यों के अफसर तैनात रहेंगे। हेलीकॉप्टर और ड्रोन से भी निगरानी की जाएगी। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और डीजीपी प्रशांत कुमार ने कहा कि सरकार का पूरा फोकस कांवड़ यात्रा को सकुशल और शांतिपूर्ण तरीके से कराने पर है। मीटिंग में यूपी, उत्तराखंड, दिल्ली, राजस्थान और हरियाणा के अफसरों के साथ सुरक्षा और ट्रैफिक मैनेजमेंट को लेकर चर्चा की गई। भीड़ मैनेजमेंट पर फोकस रहा, ताकि कोई हादसा न हो। आपातकाल में तुरंत रिस्पांस टीम काम करेगी, इसकी व्यवस्था की दी गई है।

अग्निपथ में आयु सीमा बढ़ाने के पक्ष में सेनाएं

- **50 फीसदी के रिटेंशन को तैयार**

नई दिल्ली. लगातार राजनीति का अखाड़ा बनी अग्निपथ योजना पर सेना द्वारा एक बड़ा बदलाव करने के लिए मंथन जारी है। इस मामले के जानकार वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि सशस्त्र बल, सरकार को अग्निपथ में शामिल होने वालों के लिए आयु सीमा को बढ़ाकर 23 वर्ष करने और चार साल के बाद कम से कम 50 फीसदी को सेना में बरकरार रखने का सुझाव दे सकते हैं । नाम न बताने की शर्त पर अधिकारियों ने बताया कि सैनिकों की भर्ती के लिए दो साल पहले शुरू की गई विवादास्पद योजना में जो बदलाव बताए गए थे, उनका मकसद यह था कि सेना की युद्ध प्रभावशीलता में वृद्धि हो। अग्निपथ योजना पूरे देश में ही विवाद की वजह बनी, खास तौर पर उत्तरी भारत के राज्यों में जहां पर इस योजना को लागू करते समय आगजनी और हिंसा की घटनाएं भी हुई थीं। लोकसभा चुनावों के बाद माना यह जा रहा है कि भारतीय जनता पार्टी को इस पूरे क्षेत्र में वोटों का नुकसान जरूर हुआ है। अग्निपथ की प्रक्रिया ने देश के में राजनैतिक पार्टियों के बीच में विभाजन को और गहरा कर दिया है। संसद से लेकर चुनावी भाषणों में सरकार अपनी इस योजना का बचाव करती दिखती है तो वहीं विपक्ष इसका विरोध करता दिखता है।

क्यों जरूरी 50 फीसदी अग्निवीर

- अधिकारियों के अनुसार सशस्त्र बल सरकार को प्रस्तावित योजना में पहला संशोधन स्नातकों को शामिल करने के लिए ऊपरी आयु सीमा 21 से बढ़ाकर 23 करना है, जिन्हें तीनों सेनाओं मे तकनीकी नौकरियों के लिए तैयार किया जा सकता है। दूसरा यह कि विशेष क्षेत्रों में मैन पावर की कमी से बचाव के लिए वर्तमान 25 फीसदी की तुलना में 50 फीसदी अग्निवीरों को सेवा में बनाए रखना है। अधिकारियों ने कहा कि यह बदलाव ₹युद्ध प्रभावशीलता₹ को बढ़ाने के लिए आवश्यक हैं। तीनों सेनाएं पुरानी भर्ती प्रक्रिया के तहत बड़ी संख्या में स्नातकों को शामिल करती थीं। इसमें टेक्निकल पदों के लिए आवेदन करने की आयु सीमा 23 वर्ष थी, जबकि सामान्य ड्यूटी के लिए आयु सीमा 21 वर्ष ही थी। अभी यह लिमिट सभी के लिए केवल साढ़े 17 से 21 साल तक ही है, इसे कम से कम दो साल तक बढ़ाने की जरूरत है। वर्तमान में सरकार केवल इसी साढ़े तीन साल के बीच वाले लोगों को शामिल करती हैं, जिसमें से 25 फीसदी को अगले 15 वर्षों के लिए नियमित सेवा में बनाए रखने का प्रावधान है।

डिफेंस प्रोडक्शन ऑल टाइम हाई पर

- **2023-24 में 1.27 लाख करोड़ का उत्पादन हुआ, पिछले साल से 16.8% ज्यादा**

नई दिल्ली. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को बताया कि देश ने 2023-24 में रक्षा उत्पादन में अब तक की सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की है। यह पिछले वित्तीय वर्ष से 16.8% ज्यादा है। उन्होंने बताया, 2023-24 में 1,26,887 करोड़ रुपए का रक्षा उत्पादन हुआ, जो इससे पहले 1,08,684 करोड़ रुपए था। सरकार 'मेक इन इंडिया' के देश को एक अग्रणी वैश्विक रक्षा विनिर्माण केंद्र के रूप में विकसित कर रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस उपलब्धि पर कहा कि मेक इन इंडिया कार्यक्रम साल-दर-साल नए मील के पत्थर पार कर रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी ने इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा, इससे हमारा सुरक्षा तंत्र बढ़ेगा। भारत में तेजस LCA, विभिन्न प्रकार के हेलीकॉप्टर, वॉरशिप, टैंक, तोपें, मिसाइल, रॉकेट, कई सैन्य वाहन सहित विभिन्न प्रकार के हथियारों और इक्विपमेंट का प्रोडक्शन होता है।

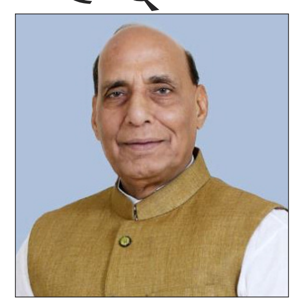

PM मोदी बोले- यह उत्साजनक विकास है

राजनाथ सिंह के X पर पोस्ट के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी X पर पोस्ट किया। उन्होंने इसे उत्साजनक विकास बताया। मोदी ने कहा कि इस उपलब्धि में योगदान देने वाले सभी लोगों को बधाई। हम अपनी क्षमताओं को और बढ़ाने और भारत को एक लीडींग ग्लोबल डिफेंस मैनुफैक्चरिंग सेंटर के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह हमारे डिफेंस सिस्टम को मजबूत करेगा और हमें आत्मनिर्भर बनाएगा। वित्त वर्ष 2022-23 में हमारा डिफेंस प्रोड्कशन 1.09 लाख करोड़ रुपए था। 2022-23 में पहली बार प्रोडक्शन 1 लाख करोड़ के पार पहुंचा था।

तमिलनाडु बसपा प्रदेश अध्यक्ष की हत्या

- **6 बाइक सवारों ने चाकू-तलवारें मारीं,**
- **8 संदिग्ध हिरासत में**
- **चेन्नई में कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन**

चेन्नई. तमिलनाडु में बहुजन समाज पार्टी (BSP) प्रदेश अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रॉन्ग की शुक्रवार (5 जुलाई) की शाम उनके घर के बाहर छह हमलावरों ने हत्या का दी। पुलिस के अनुसार, 52 साल के आर्मस्ट्रॉन्ग शाम करीब 7 बजे चेन्नई स्थित सेम्बियम इलाके के वेणुगोपाल स्ट्रीट पर अपने घर के कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं से बात कर रहे थे।

इसी दौरान दो बाइक पर सवार छह लोग आए और उन पर चाकू-तलवारों से हमला कर दिया। इसके बाद हमलावर भाग गए। आर्मस्ट्रॉन्ग गंभीर रूप से घायल हुए थे। वहां मौजूद लोगों ने उन्हें अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने 8 संदिग्धों को हिरासत में लिया

पुलिस ने अब तक 8 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। घटना के बाद से चेन्नई में तनाव की स्थिति है। शनिवार (6 जुलाई) को सैकड़ों की संख्या में बसपा के कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने

केरल में दिमाग खाने वाले अमीबा का चौथा केस मिला

- **14 साल का लड़का संक्रमित**
- **3 बच्चों की मौत**
- **नाक के जरिए शरीर में घुसता है**

केरल में इंसानी दिमाग खाने वाले अमीबा का एक और केस मिला है। एक 14 साल के लड़के में रेयर ब्रेन इन्फेक्शन अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस के संक्रमण की पुष्टि हुई है। लड़के का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। अस्पताल के सूत्रों के अनुसार, ब्रेन इन्फेक्शन से पीड़ित लड़का उत्तरी केरल जिले के पय्योली का रहने वाला है। डॉक्टरों ने बताया कि उसे 1 जुलाई को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जिसके बाद उसमें संक्रमण की पुष्टि हुई। उसे विदेश दवाएं दी गईं। अब उसकी हालत में लगातार सुधार हो रहा है।

केरल में मई से अब तक दिमाग खाने वाले अमीबा के चार केस मिले हैं। सभी मरीज बच्चे हैं, जिनमें से तीन की पहले ही मौत हो चुकी है। मेडिकल एक्सपर्ट्स बताते हैं कि यह संक्रमण तब होता है जब फ्री-लिविंग गैर-परजीवी अमीबा बैक्टीरिया दूषित पानी से नाक के जरिए शरीर में घुसता है।

बुधवार (3 जुलाई) को 14 साल के एक लड़के की इन्फेक्शन से एक मौत हो गई थी। मृदुल नाम का यह लड़का एक छोटे तालाब में नहाने गया था, जिसके चलते उसे यह इंफेक्शन हुआ। इससे पहले 25 जून को कन्नूर की एक 13 साल की लड़की की मौत हुई थी।

21 मई को इन्फेक्शन का पहला मामला आया था। राज्य के मलप्पुरम में पांच साल की लड़की की जान गई थी। इससे पहले यह बीमारी पहले 2023 और 2017 में राज्य के तटीय अलपुझा जिले में रिपोर्ट की गई थी।

जुलाई 2023 में अलप्पुझा मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में पनावली के एक नाबालिग की मौत इसी इन्फेक्शन के कारण मौत हुई थी। यह लड़का झरने के पानी में नहाने गया था। केरल में अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस का सबसे पहला केस 2016 में आया था। इसके बाद 2019, 2020 और 2022 में एक-एक केस मिला था। इन सभी मरीजों की मौत हो गई थी। इस बीमारी में मरीज को बुखार, सिर दर्द, उल्टी और दिमागी दौरे पड़ते हैं।

भोले बाबा हाथरस हादसे के बाद पहली बार सामने आया

हाथरस. हाथरस हादसे के बाद पहली बार भोले बाबा सामने आया। शनिवार सुबह न्यूज एजेंसी ANI से कहा- हम 2 जुलाई की भगदड़ की घटना के बाद से बहुत दुखी हैं। हमें और संगत को इस दुख की घड़ी से उबरने की शक्ति दें। सभी शासन और प्रशासन पर भरोसा रखें। हमें विश्वास है कि जो भी उपद्रवी हैं, वो बख्शे नहीं जाएंगे। मृतकों के परिजन और घायलों की मदद हमारी कमेटी करेगी।

इधर, न्यायिक जांच आयोग की टीम हाथरस पहुंच गई है। यहां डीएम और एसपी से पूछताछ करेगी। घटनास्थल का निरीक्षण भी करेगी। पुलिस सत्संग के मुख्य आयोजक देव प्रकाश को हाथरस लेकर आ रही है। उसे जिला कोर्ट में पेश करेगी। पुलिस 14 दिन की न्यायिक रिमांड की मांग कर सकती है। शुक्रवार को देव प्रकाश ने दिल्ली में सरेंडर किया था।

केंद्र ने SC में कहा - NEET एग्जाम रद्द करना तर्कसंगत नहीं

- **कई कैंडिडेट्स का हित खतरे में पड़ जाएगा**
- **NTA बोला- बड़ी गड़बड़ी नहीं हुई**

नई दिल्ली. केंद्र सरकार ने शुक्रवार, 5 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि NEET-UG एग्जाम को रद्द करना तर्कसंगत नहीं होगा। इससे यह परीक्षा देने वाले लाखों ईमानदार कैंडिडेट्स गंभीर खतरे में आ जाएंगे। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने कहा कि उन लोगों के करियर की संभावनाओं के लिए भी ठीक नहीं है, जिन्होंने इसे पास कर लिया।

केंद्र और NTA ने एक याचिका के जवाब में दाखिल हलफनामे में कहा कि परीक्षा में हुई कथित अनियमितताओं या

गड़बड़ियों की जांच का जिम्मा CBI को सौंपा है।

NEET एग्जाम 5 मई को हुआ था। इसके बाद पेपर लीक और गड़बड़ियों के आरोप लगे। 1563 स्टूडेंट्स को ग्रेस मार्क देने पर भी विवाद हुआ। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने इन कैंडिडेट्स की परीक्षा रद्द कर दी और फिर से एग्जाम लिया। इसके बाद देश में 9 दिन में तीन बड़ी परीक्षाएं- NCET, UGC NET और CSIR UGC NET कैंसिल की गईं। 6 जुलाई से NEET काउंसलिंग शुरू हो रही है।

NTA ने कहा, 'NEET-UG 2024 परीक्षा को रद्द करना व्यापक जनहित के खिलाफ होगा। पेपर लीक की कथित घटनाओं का परीक्षा के ऑपरेशन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। इस एग्जाम को पूरी निष्पक्षता और गोपनीयता के साथ कराया गया है। एग्जाम के दौरान बड़े स्तर पर गड़बड़ियों और अनियमितताओं के दावे पूरी तरह से गलत और भ्रामक हैं। इनका कोई आधार नहीं है।

NTA ने माना कि कथित गड़बड़ी केवल पटना और गोधरा केंद्रों में हुई थी। व्यक्तिगत उदाहरणों के आधार पर पूरी परीक्षा रद्द नहीं की जानी चाहिए। यह कहना गलत है कि हाई स्कोर लाने वाले छात्र केवल कुछ केंद्रों से हैं। गड़बड़ी में शामिल छात्रों के रिजल्ट रोक दिए हैं और उन्हें दंडात्मक कार्रवाई और निष्कासन के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं।

कुरान पढ़ाने वाले पजशकियान ईरान के राष्ट्रपति बने

ईरान में मसूद पजशकियान देश के 9वें राष्ट्रपति बन गए हैं। उन्होंने कट्टरपंथी नेता सईद जलीली को 30 लाख वोटों से हराया। ईरान में शुक्रवार (5 जुलाई) को दूसरे चरण की वोटिंग हुई थी। इसमें करीब 3 करोड़ लोगों ने मतदान किया था।

ईरानी स्टेट मीडिया IRNA के मुताबिक, पजशकियान को 1 करोड़ 64 लाख वोट मिले, जबकि जलीली को 1 करोड़ 36 लाख वोट हासिल हुए। पजशकियान कुरान के टीचर हैं। वे शिया समुदाय के लोगों को नहज-अल-बलाघा पढ़ाते हैं। इसमें शियाओं के पहले इमाम के उपदेश हैं। पजशकियान 1980-1988 तक चली ईरान-इराक जंग में मेडिकल असिस्टेंस पहुंचाने का काम भी करते थे।

5 जुलाई को 16 घंटे तक चली वोटिंग में देश की करीब 50% (3 करोड़ से ज्यादा) जनता ने वोट डाला।

पुणे पोर्श केस- आरोपी ने रोड एक्सीडेंट पर निबंध लिखा

- **जुवेनाइल बोर्ड की सभी शर्तें पूरी करेगा**
- **हाईकोर्ट ने नाबालिग को 25 जून को जमानत दी थी**

पुणे. पुणे पोर्श एक्सीडेंट के 42 दिन बाद नाबालिग आरोपी ने रोड एक्सीडेंट पर 300 शब्दों का निबंध लिखकर जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड को सबमिट किया है। 18-19 मई की रात हादसे के बाद जुवेनाइल बाद जुवेनाइल बोर्ड ने आरोपी को 300 शब्दों का निबंध लिखने सहित कुल 7 शर्तों पर जमानत दी थी।

हालांकि, पुलिस की मांग और लोगों के आक्रोश के बाद जुवेनाइल बोर्ड ने अपने फैसले में संशोधन किया था। 22 मई को बोर्ड ने आरोपी को बाल सुधार गृह में भेजने का आदेश दिया था। हालांकि, 25 जून को बॉम्बे हाईकोर्ट ने नाबालिग आरोपी को जमानत दे दी।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने जमानत देते हुए कहा था कि आरोपी पर जुवेनाइल बोर्ड के आदेश की सभी शर्तें लागू रहेंगी। बाल सुधार गृह से निकलने के बाद नाबालिग ने 3 जुलाई को निबंध लिखने की एक शर्त पूरी की।

द इंडियन एक्सप्रेस ने सूत्रों के हवाले से बताया कि नाबालिग बाकी की शर्तों को भी पूरा करेगा। इनमें साइकोलॉजिकल काउंसिलिंग और ट्रैफिक रूल्स समझने के लिए रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिस में काम करना शामिल हैं।

नाबालिग 15 दिनों के भीतर जुवेनाइल बोर्ड को रिपोर्ट सौंपेगा

सूत्रों के मुताबिक, जुवेनाइल बोर्ड के आदेश के अनुसार नाबालिग ससून अस्पताल में डॉक्टरों से साइकोलॉजिकल काउंसिलिंग ले रहा है। उसकी चाची ने ससून अस्पताल से संपर्क किया था। अस्पताल के अधिकारियों ने इस संबंध में जुवेनाइल बोर्ड से निर्देश मांगे थे।

नाबालिग के वकील ने जुवेनाइल बोर्ड में एक आवेदन दायर कर ससून अस्पताल को निर्देश देने की मांग की है। RTO से भी संपर्क किया गया है। जुवेनाइल बोर्ड ने RTO अधिकारियों को नाबालिग के साथ कोऑर्डिनेट करने का निर्देश दिया है। नाबालिग आरोपी RTO ऑफिस में ट्रैफिक रूल्स के नियम-कानून की स्टडी के बाद जुवेनाइल बोर्ड को 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट सौंपेगा।

जिम्बाब्वे के खिलाफ 116 रन नहीं बना सके वर्ल्ड चैंपियन

- **भारत पहले टी-20 मैच में 13 रन से हारा**
- **रजा और चतारा को 3-3 विकेट**

टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के एक हफ्ते बाद भारत को जिम्बाब्वे से हार का सामना करना पड़ गया। टीम इंडिया को जिम्बाब्वे ने 5 मैचों की टी-20 सीरीज के पहले मुकाबले में 13 रन से हराया। हरारे में भारतीय टीम 116 रन का टारगेट चेज नहीं कर सकी। टीम इंडिया के खिलाफ टी-20 इतिहास का सबसे छोटा स्कोर डिफेंड हुआ है। टीम के कप्तान सिकंदर रजा और तेंदाई चतारा ने 3-3 विकेट लिए।

शनिवार को भारत ने टॉस जीतकर फील्डिंग चुनी। जिम्बाब्वे ने 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 115 रन बनाए। विकेटकीपर क्लाइव मदांदे ने नाबाद 29 रन बनाए, उन्होंने 10वें विकेट के लिए तेंदाई चतारा के साथ 25 रन की अहम पार्टनरशिप की थी।

टीम इंडिया 19.5 ओवर में 102 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। कप्तान शुभमन गिल ने सबसे ज्यादा 31 रन बनाए। वॉशिंगटन सुंदर आखिर में 27 रन बनाकर आउट हुए। आवेश खान ने 16 रन का योगदान दिया। बाकी 8 कोई भी बैटर 7 से ज्यादा रन नहीं बना सका, हालांकि इस टीम में वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का कोई खिलाड़ी शामिल नहीं रहा।

116 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को पहले ही ओवर में झटका लगा। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा 4 गेंद खेलने के बाद बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। ऋतुराज गायकवाड़ 9 गेंद में 7 रन ही बना सके। रियान पराग 2 और रिंकू सिंह जीरो पर आउट हुए। भारत ने 22 के स्कोर पर ही चार विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद ध्रुव जुरेल और गिल ने पारी को संभालने की कोशिश की लेकिन अपना पहला टी20 इंटरनेशनल मैच खेल रहे जुरेल 14 गेंद में सात रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

कुछ गेंद बाद कप्तान शुभमन गिल भी 31 के निजी स्कोर पर आउट हो गए। रवि बिश्नोई 9 और आवेश खान 16 रन बनाकर आउट हुए। आवेश ने कुछ चौके लगाकर उम्मीद बांधी थी लेकिन वह जीत नहीं दिला सके। मुकेश कुमार जीरो पर आउट हुए।

अमरनाथ यात्रा भारी बारिश के कारण रोकी गई

- **उत्तराखंड में रेड अलर्ट**
- **ऋषिकेश से बद्रीनाथ जाने वाला हाईवे बंद**
- **असम में अबतक 62 की मौत**

जम्मू. जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश के कारण अमरनाथ यात्रा शनिवार (6 जुलाई) को रोक दी गई है। पवित्र गुफा तक जाने वाले पहलगाम और बालटाल, दोनों रूट पर कल रात से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। यात्रियों को वापस उनके बेस कैंप भेजा जा रहा है। मौसम में सुधार के बाद यात्रा फिर से शुरू होगी।

29 जून से शुरू हुई अमरनाथ यात्रा 19 अगस्त को खत्म होगी। 3,800 मीटर ऊंचे गुफा मंदिर में अब तक 1.50 लाख से ज्यादा श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। हालांकि, अमरनाथ यात्रा शुरू होने के सातवें दिन यानी 5 जुलाई को ही बाबा बर्फानी अदृश्य हो गए हैं। ऐसा पहली बार हुआ है। अब यहां आने वाले श्रद्धालुओं को पवित्र गुफा के ही दर्शन होंगे।

उत्तराखंड में भारी बारिश और लैंडस्लाइड के कारण डोलिया देवी (फाटा) में रुद्रप्रयाग से गौरीकुंड और ऋषिकेश से बद्रीनाथ जाने वाला नेशनल हाईवे 107 और 58 ब्लॉक हो गया है। सड़क पर जगह-जगह मलबा जमा है, जिसके कारण आवागमन बाधित है।

मौसम विभाग ने उत्तराखंड में आज भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। राज्य में 6-7 जुलाई के दौरान अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की आशंका है। इस दौरान 64.5-115.5 mm से 115.5-204.4 mm तक बारिश हो सकती है।

उल्हासनगर महानगरपालिका
ULHASNAGAR MUNICIPAL CORPORATION

दुरध्वनी क :0251- 2720119 | विस्तार क : 276 | फॅक्स: 0251-2720104

Majhi Vasundhara
स्वातंत्र्याचा अमृत महोत्सव
NCAP NATIONAL CLEAN AIR PROGRAMME

जा क्र. उमपा/पर्यावरण/148/2024 दिनांक -04/07/2024

प्रति,
सर्व कारखानदार, मूर्ती विक्रेते, मूर्तिकार
उल्हासनगर महानगरपालिका कार्यक्षेत्र

विषयः- महानगरपालिका महासभा सभागृह, महापालिका मुख्यालय, पहिला मजला येथे दि. 08/07/2024 रोजी दुपारी 4.00 वा बैठकीस उपस्थित रहाणेबाबत.
संदर्भः- मा. आयुक्त महोदय, उ.म.पा. यांची दिनांक 04/07/2024 रोजीची मंजूरी.

उपरोक्त संदर्भिय विषयान्वये कळविणेत येते की, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडळ दिल्ली, यांचेकडील दि.12/05/2020 रोजीच्या सुधारित नव्या मार्गदर्शक तत्त्वानुसार खाडी/नदीचे प्रदूषण व नुकसान टाळण्याकरीता मा. केंद्र सरकारने प्लास्टर ऑफ पॅरिस (pop) च्या मुर्तीवर बंदी जाहीर केली आहे. तसेच मा. उच्च न्यायालय यांनी देखील ही बंदी कायम केली आहे. या पार्श्वभुमीवर प्लास्टर ऑफ पॅरिस (pop) पासून निर्मिती, आयात, साठा बंदीबाबत महाराष्ट्रातील सर्व स्थानिक स्वराज्य संस्थाना सदरहू सुधारित मार्गदर्शक तत्वांची अंमलबजावणी करण्याबाबत महाराष्ट्र प्रदुषण नियंत्रण मंडळामार्फत पत्र क्र. नि/JI) (WPC) B240221/ एफटीएस0088, दि.21/02/2024 अन्वये निर्देश देण्यात आले आहे. तरी उल्हासनगर महानगरपालिका कार्यक्षेत्रातील सर्व कारखानदार, मूर्ती विक्रेते, मूर्तिकार यांनी याबाबत चर्चा करणेकरिता उल्हासनगर महानगरपालिका महासभा सभागृह, महापालिका मुख्यालय, पहिला मजला येथे दि. 08/07/2024 रोजी दुपारी 4.00, वा बैठकीस उपस्थित रहावे,

सही/-
(जमीर लेंगरेकर)
अतिरिक्त आयुक्त
उल्हासनगर महानगरपालिका

जा.क्र.उमपा/पीआरओ/237/2024
दि: 05/07/2024

संक्षेप...

वीजा रैकेट के सरगना नौसेना अफसरों की हिरासत बढ़ी

मुंबई. पुलिस ने मजिस्ट्रेट अदालत में बताया कि वीजा रैकेट मामले में गिरफ्तार दो नौसेना अधिकारी इस गिरोह के सरगना थे। पुलिस ने दोनों की हिरासत बढ़ाने की मांग की, जिसके बाद अदालत ने लेफ्टिनेंट कमांडर विपिन डागर और सब लेफ्टिनेंट ब्रह्म ज्योति की हिरासत 9 जुलाई तक बढ़ा दी। अपराध शाखा ने दावा किया है कि दोनों अफसर एक सिंडिकेट का हिस्सा थे जो दक्षिण कोरिया में अवैध रूप से काम करने के इच्छुक भारतीयों को वीजा दिलाने में मदद करता था। डागर और ज्योति विशाखापत्तनम में पदस्थ थे, तब वहां से स्टाम्प बनाने की मशीन खरीदी थी और इसका इस्तेमाल वीजा आवेदनों के लिए आवश्यक जाली दस्तावेज बनाने में करते थे।

विधानसभा में गूंजा मनपा के भ्रष्टाचार का मुद्दा

सपा विधायक रईस शेख ने स्वास्थ्य, डीपी प्लान, सफाई,गड्ढों को लेकर मनपा प्रशासन पर लगाए गंभीर आरोप

भिवंडी. भिवंडी पूर्व सपा विधायक रईस शेख ने विधानसभा में भिवंडी मनपा में व्याप्त भारी भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाते हुए मनपा प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाया है. स्वास्थ्य व्यवस्था में भारी लापरवाही सहित डीपी प्लान, शहर की बदहाल हालत की जिम्मेदारी मनपा प्रशासन पर लगाते हुए मनपा प्रशासन के कार्यप्रणाली की जांच की मांग मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से की है. विधायक शेख द्वारा उठाए गए जनहित मुद्दों से नागरिकों में मूलभूत समस्याओं के निदान की आस जगी है.

गौरतलब हो कि, विधानसभा अधिवेशन के दौरान भिवंडी पूर्व सपा विधायक

रईस कासम शेख द्वारा भिवंडी मनपा में व्याप्त भारी भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाते हुए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का ध्यान भिवंडी की बदहाली की तरफ आकृष्ट कराया गया. विधायक रईस शेख ने 1 वर्ष पूर्व हुई श्रृद्धा कांबले नामक 3 वर्षीय बच्ची को फर्जी नर्स द्वारा गलत तरीके से इंजेक्शन देने की वजह से हुई दर्दनाक मौत का मुद्दा उठाते हुए बताया कि, भंडारी कंपाउंड विट्ठल नगर स्थित सनलाइट अस्पताल का रजिस्ट्रेशन भ्रष्ट डाक्टर द्वारा फर्जी तरीके से नियम कानून को ठेंगा दिखाते हुए किया किया गया है. श्रृद्धा कांबले की मौत मनपा प्रशासन की भ्रष्टतम लापरवाही का परिणाम है. मनपा अधिकारियों के भ्रष्ट रवैए की वजह से अबोध बच्ची की जान गई है. घटना के 1वर्ष बाद भी पीड़ित परिजन को न्याय नहीं मिल पाया है.

मनपा हेल्थ विभाग के भ्रष्ट डाक्टर अस्पताल से पैसे की डिमांड कर मामले की लीपापोती में जुटा है. उन्होंने कहा कि, भिवंडी में सैकड़ों प्राइवेट अस्पताल हैं.मनपा में अस्पताल रजिस्ट्रेशन की जिम्मेदारी संभाल रहे डाक्टर द्वारा प्राइवेट अस्पतालों से मोटी रकम लेकर नियम कानून को ताक पर रखकर रजिस्ट्रेशन देकर लोगों की जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है.

स्वास्थ्य विभाग में प्रभारी मुख्य वैद्यकीय अधिकारी डा. बुसरा सय्यद हैं और अस्पताल रजिस्ट्रेशन की जिम्मेदारी डाक्टर जयवंत धुले संभालते हैं.दोनो जिम्मेदार अधिकारी पर भ्रष्ट तरीके से बगैर जांच परख किए ही अस्पतालों के रजिस्ट्रेशन एवम अप्रूबल दिए जाने का आरोप है. भ्रष्टाचार के दम पर कोविड काल में भी बोगस अस्पतालों को कोविड अस्पताल घोषित कर पैसा कमाया गया जिसमे सैकड़ों लोगों को जान से हाथ धोना पड़ा था.शहर के लाखों लोगों के स्वास्थ्य से जुड़े अहम मामले की उच्चस्तरीय जांच जरूरी है.

कैबिनेट मंत्री उदय सामंत ने मृतक श्रृद्धा कांबले मामले की विभागीय जांच कर 30 दिन में सरकार को रिपोर्ट देने का आदेश प्रशासन को दिया है.

मनपा प्रशासन की कार्यप्रणाली पर लगाए गंभीर आरोप

विधायक शेख ने विधानसभा पटल पर चर्चा के दौरान मनपा प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भारी भ्रष्टाचार का गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि, डीपी प्लान में भारी अनियमितता से लोग परेशान हैं.विकास कार्यों के नाम पर निजी कई प्लाट को आरक्षित कर लोगों से आरक्षण को हटाने के लिए दलालों के माध्यम से पैसे की डिमांड की जा रही है. मनपा प्रशासन का कोई ध्यान शहर स्वच्छता, सड़क पर हुए जानलेवा गड्ढों की दुरुस्ती, ट्रैफिक जाम, जलापूर्ति व्यवस्था में सुधार जैसी मूलभूत समस्याओं के निदान पर कदापि नहीं है. चैंबर पर ढक्कन नहीं होने से लोगों के साथ जानलेवा दुर्घटना हो रही है.

विभागों में सक्षम अधिकारी भी नहीं होने से कामकाज पर विपरीत असर पड़ रहा है. मनपा टैक्स वसूली नहीं के बराबर है. मनपा सिर्फ सरकारी अनुदान के सहारे चल रही है. सपा विधायक शेख ने मनपा प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर तंज कसते हुए कहा कि,भिवंडी मनपा की घटिया कार्यप्रणाली एवम प्रशासनिक स्तर पर चल रहे घोटालों की चर्चा के लिए पूरी रात भी कम पड़ेगी.

क्रिकेटरों को 11 करोड़ रुपए देने पर महाराष्ट्र सरकार पर भड़का विपक्ष

मुंबई. महाराष्ट्र में विपक्षी दल कांग्रेस और शिवसेना ने टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम को 11 करोड़ रुपये का इनाम देने की एकनाथ शिंदे नीत सरकार की घोषणा पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि ऐसा करके सरकार अपनी पीठ थपथपाना चाहती है। विपक्षी दलों ने कहा कि उन्हें क्रिकेटरों की उपलब्धि पर गर्व है, लेकिन राज्य के खजाने से 11 करोड़ रुपये देने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने मुख्यमंत्री से यह राशि अपनी जेब से देने को कहा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक प्रवीण दरेकर ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को भारतीय क्रिकेट टीम के लिए 11 करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की। यह घोषणा विधान भवन में की गई, जहां टीम के मुंबई के चार खिलाड़ियों-कप्तान रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, यशस्वी जायसवाल और शिवम दुबे को सम्मानित किया गया। बाद में, पत्रकारों से बातचीत में राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजय वडेट्टीवार ने कहा, ''राज्य के खजाने से 11 करोड़ रुपये देने की क्या जरूरत थी? यह अपनी पीठ थपथपाने के लिए है...खजाना खाली होने दो...गरीबों को मरने दो। लेकिन सरकार अपनी पीठ थपथपाना चाहती है।''

विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष अंबादास दानवे ने कहा, ''खिलाड़ियों को राज्य के खजाने से 11 करोड़ रुपये देने की जरूरत नहीं थी। हर किसी को उनकी उपलब्धियों पर गर्व है और उन्हें पर्याप्त पुरस्कार राशि मिलती है। मुख्यमंत्री को अपनी जेब से 11 करोड़ रुपये देने चाहिए थे।'' वडेट्टीवार कांग्रेस से और दानवे शिवसेना (यूबीटी) से जुड़े हैं। भाजपा के विधान पार्षद दरेकर ने एक मराठी समाचार चैनल से बातचीत में कहा, ''विजय वडेट्टीवार की सोच विकृत और ओछी है। पूरा देश टी20 टीम के विश्व कप जीतने पर खुश है।'' उन्होंने कहा, ''लोगों ने देखा है कि किस तरह क्रिकेट प्रशंसक मुंबई के मरीन ड्राइव पर (विजय जुलूस के दौरान) क्रिकेटरों पर अपना प्यार और प्रशंसा बरसाने के लिए बड़ी संख्या में एकत्र हुए थे। लेकिन वडेट्टीवार इस कार्यक्रम का भी राजनीतिकरण करना चाहते हैं।''

मैंग्रोज को नष्ट कर भूमाफिया कर रहे अवैध निर्माण

विधायक केलकर ने की कार्रवाई करने की मांग

ठाणे. ठाणे में कोलशेत, बालकुम, दिवा,मुंब्रा,कलवा के खाड़ी के किनारे मैंग्रोज के पौधों को नष्ट कर भूमाफिया भरनी कर अवैध निर्माण कार्य कर धड़ल्ले से विक्री कर रहे हैं।विधानसभा में चल रहे अधिवेशन में विधायक संजय केलकर ने पर्यावरण संरक्षण के मैंग्रोज का मुद्दा उठाया। इस विषय को गंभीरता से लेते हुए वन मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने जांच कमेटी तैयार कर संबंधित लोगों पर कड़ी से कड़ी सजा देने के लिए आश्वासन दिया। वही विधायक केलकर ने कहा कि वन विभाग, राजस्व विभाग, मनपा इन भूमाफिया पर कार्रवाई करने के लिए टाल मटोल कर रही है।इसलिए इन तीनों विभाग के बदले एक ही विभाग को दिया जाय जबाबदारी या तीनों विभाग एक होकर करें कार्रवाई यह मांग विधायक केलकर ने किया।

भिवंडी में पति ने पत्नी की हत्या कर शव कुंआ में फेंका, गिरफ्तार

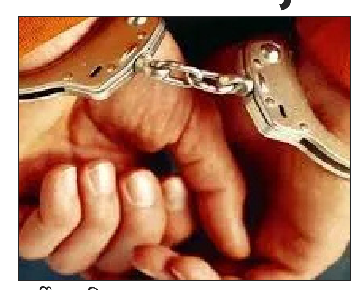

भिवंडी. शांतिनगर पुलिस थाना अंर्तगत भादवड़ गांव में दिल दहला देने वाली एक घटना घटित हुई है। बेगुसराय बिहार की रहने वाली एक महिला की उसके पति ने ही हत्या कर शव को कुंआ में फेंक दिया और पुलिस व परिवार को चमका देने के लिए रिश्तेदारों के साथ पुलिस थाना पहुंचकर पत्नी लापता होने की प्राथमिकी भी दर्ज करा दी।

हत्या के बाद पुलिस ने अज्ञात शव कुएं से बरामद की और हत्या का खुलासा करते हुए उसके पति को हत्या करने के जुर्म, अपराध के सबूतों को गायब करने तथा गलत जानकारी देने के जुर्म में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक भादवड़ गांव के एक विरान कुंए से एक 28 वर्षीय महिला का शव बरामद किया था।

इस अज्ञात शव के बारे में पुलिस जांच कर रही थी। शांतिनगर पुलिस थाने में इसी परिसर से एक महिला की लापता होने की शिकायत दर्ज हुई थी। कुंए से बरामद शव की पहचान लापता लक्ष्मीदेवी कांचन दास के रूप में हुई। पुलिस जांच के दरमियान पता चला कि मृतक महिला की हत्या उसके पति कांचन नथनी दास ने किया है और इसे छिपाने के लिए शव के इसी परिसर के एक विरान कुंए में फेंक दिया।

हत्या छुपाने के लिए मृतक की बहन ज्योति देवी उर्फ ज्योती कुमारी मुखराम दास, उसकी मां, भाई का दिशाभूल करने के लिए बताया कि आपकी बहन लक्ष्मीदेवी किसी के साथ भाग गई और शांतिनगर पुलिस थाने पहुंचकर अपनी ही पत्नी की लापता होने का केस दर्ज कराया। शांतिनगर पुलिस ने इस मामले में जांच कर हत्या के आरोपी कांचन नथनी दास को गिरफ्तार कर लिया है। जिसकी आगे की जांच पुलिस निरीक्षक अडुरकर कर रहे हैं।

शिवमंदिर में भव्य महाआरती का आयोजन

ठाणे. शहर स्थित वागले इस्टेट के हजुरी परिसर में भगवान शंकर के मंदिर में सकल हिंदू समाज, बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद,भाजपा की ओर से भव्य धार्मिक अनुष्ठान किया गया।इस कार्यक्रम के आयोजक भाजपा नेता व सकल हिंदू समाज के विजय त्रिपाठी ने बताया कि यह महाआरती का आयोजन करने का मकसद मात्र है कि हिंदू समाज के लोगों को एकत्रित करना और उनके भीतर से भय को मिटाना है।इस आयोजन में ठाणे शहर से बड़ी संख्या में कई हिंदू संगठन के महिला व पुरूष एकत्रित होकर भगवान शिव का जलाभिषेक और महाआरती किया।इसमें भाजपा के पूर्व नगरसेवक भरत चव्हाण,भाजपा जिला महासचिव विलास साठे सहित बड़ी संख्या में रहिवासियों की उपस्थिति रही।

गोदाम से साढ़े 97 लाख का मखाना चोरी... FIR दर्ज

भिवंडी. भिवंडी के ग्रामीण इलाके में बड़े पैमाने पर बेयर हाउस व गोदाम है। इन गोदामों में विभिन्न कंपनियों का माल इकट्ठा कर रखा जाता है। मानकोली के एक ऐसे ही गोदाम से 97.50 लाख कीमत के मखाने की 1250 बोरिया चोरी होने का मामला प्रकाश में आया है। नारपोली पुलिस ने ठाणे मिरारोड़ के रहने वाले मखाना व्यापारी दिपेंद्र चंद्रसेन जैन की शिकायत पर गोदाम मैनेजर विवेक कुमार रामवृक्ष शर्मा के खिलाफ चोरी का केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक मिरारोड़ ठाणे के रहने वाले दिपेंद्र चंद्रसेन जैन की सागर कॉम्प्लेक्स मानकोली में गोदाम है। इस गोदाम में 9 जनवरी 2024 से 10 जून के दरमियान 1250 बैग (बोरियां) मखाना सफाई व छटाई के लिए आया था। जिसकी बाजार कीमत 95.50 लाख रूपये थी।

गोदाम मैनेजर विवेक कुमार रामवृक्ष शर्मा ने अपने आर्थिक फायदे के खातिर चोरी कर ली। जिसकी जानकारी मिलने पर मखाना व्यापारी दिपेंद्र जैन ने नारपोली पुलिस थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराया है। पुलिस ने चोरी का केस दर्ज कर लिया है।

केकड़े पकड़ते समय रास्ता भटके 5 लड़के

7 घंटे के अभियान के बाद बचाया गया

ठाणे. ठाणे जिले में एक पहाड़ी पर केकड़े पकड़ने के दौरान रास्ता भटके पांच लड़कों को बचा लिया गया है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और अग्निशमन विभाग समेत कई राहत एजेंसियों ने शुक्रवार रात भर चले संयुक्त अभियान के बाद उन्हें बचाया और सुरक्षित उनके घर पर पहुंचा दिया है। एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि पांचों लड़कों में से तीन भाई हैं और उनकी अधिकतर की उम्र लगभग 12 साल है। उन्होंने बताया कि बचाव अभियान सात घंटे तक चला। ठाणे मनपा के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ (आरडीएमसी) के प्रमुख यासीन तड़वी ने कहा, ''आजाद नगर इलाके में दरगाह गली के पांच लड़के शाम करीब पांच बजे केकड़े पकड़ने के लिए मुंब्रा पहाड़ी पर स्थित खादी मशीन नामक इलाके में गए थे, लेकिन वे रास्ता भटक गए जिसके बाद उन्होंने शोर मचाया। उस समय वहां से गुजर रहे कुछ लोगों ने उन्हें मदद के लिए चिल्लाते हुए सुना, लेकिन वे उन्हें ढूंढ नहीं पाए। बाद में उन्होंने दमकल विभाग को इसकी जानकारी दी।''

उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के बाद आरडीएमसी, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), अग्निशमन विभाग और अन्य कर्मियों ने लड़कों को ढूंढने के लिए रात भर तलाश अभियान चलाया। तड़वी ने कहा, ''बचाव अभियान चुनौतीपूर्ण था क्योंकि टीम के सदस्यों को अंधेरे और बारिश के बीच खतरनाक पहाड़ी पर चढ़ना पड़ा। देर रात तीन बजे लड़कों को बचा लिया और उन्हें उनके माता-पिता के पास पहुंचा दिया गया।''

7.9 करोड़ का 8 मीट्रिक टन लाल चंदन जब्त

नवी मुंबई. जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट में राजस्व खुफिया निदेशालय ने 7.9 करोड़ रुपये मूल्य का 8 मीट्रिक टन लाल चंदन जब्त किया। इसे ग्रेनाइट संगमरमर स्लैब की आड़ में निर्यात करने की तैयारी की जा रही थी। डीआरआई की मुंबई जोनल यूनिट ने निर्यातक, कमीशन दलाल, गोदाम प्रबंधक और ट्रांसपोर्टर समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि गुप्त सूचना के आधार पर न्हावा शेवा में जेएनपीटी में एक कंटेनर को रोकने के बाद उसकी तलाशी ली गई। कंटेनर में पॉलिश किए गए ग्रेनाइट स्लैब और सीमेंट ईंटों के नीचे छुपाए गए 6 टन लाल चंदन का पता चला। इस दौरान पकड़े गए आरोपियों से पुलिस ने पूछताछ की। इनसे मिली जानकारी के आधार पर तेलंगाना के अहमदनगर, नासिक और हैदराबाद में भी छापे मारे गए।

आम सूचना

मैं श्रीमती लालिता सुभाराव राजाई सभी को सूचित कर रही हूं कि हाऊस नं. 1380, जिम्मी दरबार के पास, न्यू हरिशचंद्र कंस्ट्रक्शन, उल्हासनगर-4. (टैक्स नं. 101008445300) ओल्ड प्रापर्टी नं. 849 उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती सुषमा अनंत भाने के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 4.7.2024 सी.नं. 221 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती लालिता सुभाराव राजाई

एकता कपूर पर बनेगी बायोपिक

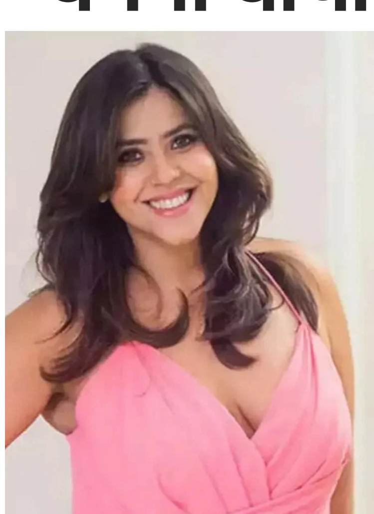

एकता कपूर आज इंडस्ट्री की कामयाब फीमेल प्रोड्यूसर्स में से एक हैं। एक समय था जब उन्हें 'टीवी क्वीन' का दर्जा भी दिया गया था। हालांकि, इस सफलता के लिए उन्होंने कई संघर्षों का सामना भी किया हैं। एकता की खास दोस्त और प्रोड्यूसर निवेदिता बासु की मानें तो एकता की जीवन पर फिल्म जरूर बनेंगी। हालांकि, इसका अधिकार उन्होंने सिर्फ अपने तक ही सीमित रखा है। हाल ही में एक इंटरव्यू में, निवेदिता बासु कहती हैं, 'ये तय है कि एकता कपूर पर बायोग्राफी कभी-न-कभी जरूर बनेगी। हालांकि, इसके राइट्स को फिलहाल उन्होंने खुद ही होल्ड किया हुआ है।

बता दें, निवेदिता बासु ने बतौर क्रिएटिव डायरेक्टर 15 सालों तक बालाजी टेलीफिल्म्स में काम किया था। माना जा रहा था कि एकता के साथ मनमुटाव होने के बाद, दोनों के रास्ते अलग हो गए थे। हालांकि, निवेदिता ने इस बात को खारिज कर दिया। निवेदिता बोलीं, 'एकता को मैं अपना गुरु मानती हूं। मैंने उनके साथ 15 साल तक काम किया और इस दौरान, मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है। लोगों ने कहा कि हम-दोनों के बीच झगड़ा हुआ है। इसमें कोई सच्चाई नहीं है।

उस वक्त एकता का सास-बहू कंटेंट पर ज्यादा फोकस था। मैंने उन्हें आश्वासन दिया कि मैं वह कंटेंट नहीं बनाऊंगी जो वो बना रही हैं। मैं कुछ अलग बना रही थी। सास-बहू से बिल्कुल अपोजिट। एक तरफ एकता के शो 8-10 साल चलते थे, वही मैंने फाइनिट सीरीज पर काम करना शुरू किया। हम दोनों के बीच गुरु-शिष्य का रिश्ता है। आज भी उन्होंने मेरे लिए अपने दरवाजे खुले रखे हैं।'

तहसिलदार उल्हासनगर यांचे कार्यालय

दुरध्वनी क्रमांक 0251-2530658 — ईमेल आयडी tahulhaanagar@gmail.com

क्रमांक/कावि/रेरा/वसुली/टे-3/46/2024 — दि. 05/07/2024

//जाहीर सुचना//

या जाहिरातीव्दारे सुचित करण्यात येते की, तालुका उल्हासनगर येथील लिलाख अनामत रकमेच्या चोली पध्दतीने करण्यात येणार आहे.

अ.क्र.	लिलावाचे स्वरुप	एकुण संख्या	लिलावाची तारीख	लिलावाचे स्थळ	अनामत रक्कम
1	उल्हासनगर तालुक्यातील राहुल एक्सिलेन्स मे. बगारिया रियालिटी, तळ मजला, न्यू राजेश को. ऑ.हौ. सोसायटी पवई पेट्रोल पंपच्या समोर, उल्हासनगर-3.	1	दि. 22.07.2024	तहसिल कार्यालय उल्हासनगर	30000/-

सदर ऑफीसची बोलीची अनामत रक्कम रु.30000/- राहील. लिलावाकरीता आवश्यक असणारा अर्जाचा नमुना दि. 08/07/2024 पासुन कार्यालयीन वेळेत (सुट्टीचे दिवस वगळता) तहसिल कार्यालय, उल्हासनगर येथे उपलब्ध करुन देण्यात येईल. सदर लिलावाकरीता विहीत नमुन्यातील अर्ज आवश्यक कागदपत्रांसह व बोलोची अनामत रकमेसहीत तहसिल कार्यालय, उल्हासनगर येथे संबंधित महसुल सहायक यांचेकडे दि. 19/07/2024 ला सायंकाळी 5.30 वाजेपर्यंत सादर करावा व अर्ज सादर केल्याची माहिती लिलावाचे तारखेला सोबत आणणे अनविार्य राहील.

*** सदर लिलावाकरीता प्रमुख अटी व शर्ती खालीलप्रमाणे आहेत. ***

1. विहीत मुदतीत अर्ज व अनामत रक्कम सादर करणे अनिवार्य राहील.
2. लिलाव मंजुर अथवा नामंजुर करण्याचे सर्व अधिकार तहसिलदार, उल्हासनगर यांनी राखुन ठेवण्यात आलेले आहे.

सही/-
(कल्याणी कदम)
तहसिलदार उल्हासनगर

In Loving Memory of Our Founder Chairman

Late Shri Sitaldas Harchandani

(4th Death Annivesary On 7-7-2024)

"Those we love don't go away,
they walk beside us everyday.
Unseen unheard but always near,
still loved still missed and very dear......"

Today is Fourth Death Anniversary of Our Beloved Founder Chairman Dada Sitaldas Harchandani, who left for his heavenly abode on 7th July 2020. It was an irreparable loss to our Nav Jeevan Family. Our Bank is always trying to work on the principles laid down by him.

Nav Jeevan Co-op. Bank Ltd.

Manohar Makhija (Chairman)
Suresh Harchandani (Vice Chairman)
Lilaram Mulchandani, Murlidhar Sabhandasani, Kanhaiyalal Nathani,
Lal Hiranandani, Santosh Nankani, Anil Ballani, Rakesh Udasi,
Haresh Gyanchandani, Bhimji Badga, Lal Tanwani,
Harshita Harchandani, Neeta Dhirwani,
Bharat Chanchlani, Rewachand Ahuja, Gurmukh Raghani
Board of Directors
Dinesh Harchandani - CEO and Staff

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099